लखनऊ

मंगलवार, 3 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 192

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"वक्त भले धीमा चले, लेकिन उसका फैसला हमेशा मजबूत और बिल्कुल सही होता है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

140 करोड़ लोग मिलकर देश से तानाशाह सरकार उखाड़ फेंकेंगे- केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल रैली कर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोग मिलकर देश से तानाशाह सरकार उखाड़ फेंकेंगे। ये लोग सत्ता की राजनीति करें और हम जनता के लिए काम करेंगे। आज से यह बदलाव की गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते रहे कि दिल्लीवालों का 'बेटा भ्रष्ट और है, लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार था, है और रहेगा। कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग आकर लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदी जी को पूर्ण बहुमत दिया। आज देश का हर सेक्टर बर्बाद है। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, गुजरात, गोवा समेत विभिन्न प्रांतों से आए "आप नेताओं, कार्यकर्ताओं और हजारों आम लोगों ने 'पढ़ा-लिखा दमदार है, मेरा केजरीवाल कट्टर ईमानदार है के जमकर नारे लगाए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले चार साल से पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने षड़यंत्र रच कर दिल्ली के लोगों को बहुत परेशान और दुखी किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल चोर है, भ्रष्टाचारी है, केजरीवाल ने शराब घोटाला किया है, केजरीवाल 100 करोड़ खा गया। दिन भर मीडिया में डिबेट चलता था। दिल्ली के लोगों को बहुत दुखी किया। जज साहब ने फैसला सुनाया है कि मोदी जी झूठ बोल रहे हैं, केजरीवाल कट्टर ईमानदार है। पूरा केस फर्जी है, कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि सदियों के बाद ऐसा फैसला आया है। मोदी जी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को ठिकाने लगाने के लिए पूरे केस को व्यक्तिगत मॉनिटर कर रहे थे कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह छूटना नहीं चाहिए। कोर्ट का यह फैसला मोदी जी, अमित शाह और भाजपा के गाल पर जोरदार तमाचा है।

खामेनेई की मौत के बाद श्रीनगर में तनाव, प्रदर्शन हिंसक होने पर पुलिस ने किया बल प्रयोग

श्रीनगर। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर में तनावपूर्ण हालात बन चुके हैं। सोमवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग खामेनेई की मौत के विरोध में सड़कों पर उतरे थे, लेकिन श्रीनगर में प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने हिंसक रूप से लिया। कश्मीर के सभी जिलों में एहतियात के तौर पर पाबंदियां लगाई गई हैं। भारी सुरक्षा तैनात है। इसके बावजूद सोमवार को लोग प्रदर्शन करने पहुंचे। इसी बीच, प्रदर्शन हिंसक हो गया और सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। तस्वीरों में सुरक्षाबलों की ओर से प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते हुए और आंसू गैस के गोले छोड़ते हुए देखा गया। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं। श्रीनगर में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं और प्रदेश के सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय अगले दो दिनों तक बंद रहेंगे। प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को 3 मार्च को बंद करने का आदेश दिया है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल

भारत-कनाडा अच्छे दोस्त, मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद बोले पीएम मोदी, पश्चिम एशिया के हालात पर कही बड़ी बात

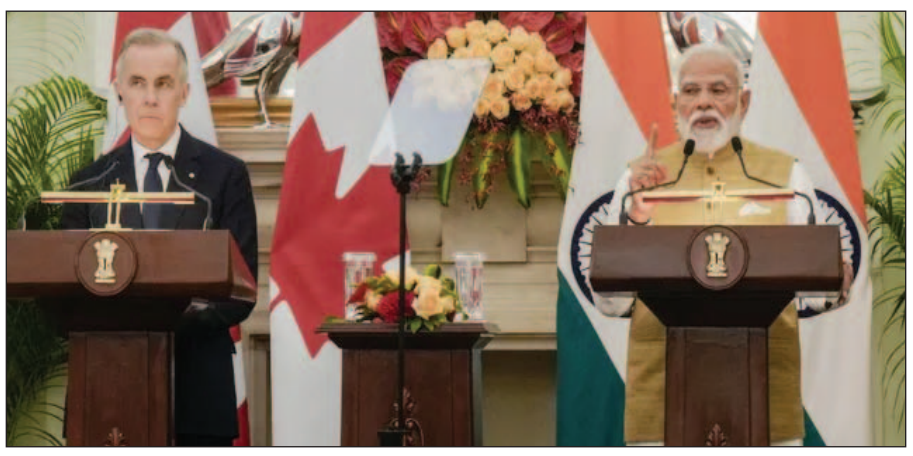

नई दिल्ली, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भारत दौरे पर हैं। सोमवार को उनकी मुलाकात दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई। राष्ट्रीय राजधानी के हैदराबाद हाउस में दोनों नेता मिले। इस दौरान दोनों नेताओं ने हाथ मिलाते हुए फोटो खिंचवाई और फिर उनके बीच द्विपक्षीय मीटिंग भी हुई। प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच व्यापार, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अहम समझौते हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने कनाडा को भारत का अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों में सकारात्मकता आई है, इसका श्रेय पीएम कार्नी को जाता है। कनाडा के पीएम कार्नी ने कहा कि भारत पिछले एक दशक में सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली इकोनमी बना है।

पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें

क्रिटिकल मिनरल्स, रिन्यूएबल एनर्जी और संस्कृति पर करार

CEPA पर टर्म ऑफ रेफरेंस को लेकर डॉक्यूमेंट

संबंधों में सकारात्मकता आई है, इसका श्रेय पीएम कार्नी को जाता है- पीएम मोदी

2030 तक व्यापार 50 बिलियन तक करने का लक्ष्य

हमने इंडिया कनाडा डिफेंस डेवलपमेंट डायलॉग करने का फैसला लिया है

हम कनाडा की यूनिवर्सिटीज के भारत में कैंपस खोलने पर राजी हुए हैं।

पश्चिम एशिया पर पीएम मोदी ने क्या कहा

पीएम मोदी ने मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है । हम डायलॉग और डिप्लोमेसी की बात करते रहे हैं । इन देशों में भारतीयों की सुरक्षा के लिए इन देशों के साथ संपर्क में बने रहेंगे।

भारत-कनाडा में हुई ये डील्स, क्या बोले पीएम

पीएम मोदी और कार्नी के बीच दिल्ली में अहम बैठक हुई। इस दौरान क्रिटिकल मिनरल्स, रिन्यूएबल एनर्जी और संस्कृति पर करार हुए। CEPA पर टर्म ऑफ रेफरेंस को लेकर अहम फैसला हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि कनाडा-भारत के संबंधों में सकारात्मकता आई है, इसका श्रेय पीएम कार्नी को जाता है। 2030 तक व्यापार 50 बिलियन तक करने का लक्ष्य है। हमने इंडिया कनाडा डिफेंस डेवलपमेंट डायलॉग करने का फैसला लिया है। हम कनाडा की यूनिवर्सिटीज के भारत में कैंपस खोलने पर राजी हुए हैं।

द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई दिशा

इस बैठक में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच एक 'ठोस एजेंडे' के तहत व्यापक वार्ता हुई। ये मुलाकात दोनों पक्षों की ओर से द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों को और मजबूत करेगी। 2023 में एक खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर हुए राजनयिक विवाद के बाद भारत-कनाडा के संबंधों में गतिरोध पैदा हो गया था। दोनों देशों में रिश्ते बिगड़ने लगे थे। हालांकि, अब स्थिति अलग है।

कनाडा पीएम के भारत दौरे की बड़ी बातें

कनाडाई पीएम कार्नी पत्नी डायना फॉक्स कार्नी के साथ 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर शुक्रवार को मुंबई पहुंचे हैं।

मुंबई में कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वह सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे।

राष्ट्रीय राजधानी के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से कनाडा पीएम कार्नी की मुलाकात हुई।

पीएम कार्नी हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ डेलीगेशन-लेवल की बातचीत।

दोनों नेता के बीच नई दिल्ली में भारत-कनाडा सीईओ फोरम में शामिल होने के अलावा क्षेत्रीय और ग्लोबल डेवलपमेंट पर भी बात।

मुंबई के बाद अब दिल्ली में कनाडाई पीएम

कनाडा पीएम कार्नी मुंबई में दो दिन बिताने के बाद रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। मुंबई में उन्होंने कई उद्योगपतियों से मुलाकात की। पीएम मोदी और कार्नी की सोमवार को हुई मुलाकात इजराइल और अमेरिका के ईरान पर किए गए हमले की पृष्ठभूमि में हो रही। पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया की स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है । हम डायलॉग और डिप्लोमेसी की बात करते रहे हैं।

होली से पहले दिल्ली की बेटियों को मिला 100 करोड़ का गिफ्ट, लखपति बिटिया योजना का भी शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। होली से पहले दिल्ली की बेटियों को दिल्ली सरकार की ओर से बड़े तोहफे की शुरुआत की गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली सरकार की ओर से महिलाओं और बेटियों के लिए चार बड़ी कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ करते हुए 'नारी शक्ति' को बड़ा उपहार दिया। इस मौके पर 40,642 बालिकाओं को लगभग 100 करोड़ रुपये की डीबीटी सहायता प्रदान की गई, जिससे उनकी शिक्षा और सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी।

महिलाओं को सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुविधा देने के लिए 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड' के तहत मुफ्त बस यात्रा की शुरुआत की गई। साथ ही होली के अवसर पर महिलाओं को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने के लिए करीब 129 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' का भी शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करना है। नई 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' को पुरानी लाडली योजना से अधिक व्यापक बनाया गया है। पहले जन्म और शैक्षणिक चरणों पर सीमित राशि जमा होती थी, जिसे 18 साल की आयु में निकाला जा सकता था। अब विभिन्न चरणों में कुल 56,000 रुपये जमा किए जाएंगे। ब्याज सहित 21 साल की आयु तक यह राशि 1 लाख रुपये से अधिक हो जाएगी। इसका उद्देश्य है कि बेटियां स्नातक या व्यावसायिक डिप्लोमा पूरा कर सकें और उच्च शिक्षा सामान्य उपलब्धि बने।

मुफ्त LPG सिलेंडर और पिंक मोबिलिटी कार्ड

कार्यक्रम में मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना का भी शुभारंभ किया गया। इसके तहत लगभग 15।50 लाख राशन कार्ड धारक परिवारों को होली पर राहत मिलेगी और करीब 15 लाख परिवारों के खातों में सिलेंडर की राशि ट्रांसफर की जाएगी। साथ ही डीटीसी बसों में मुफ्त सफर के लिए पिंक मोबिलिटी कार्ड लॉन्च किया गया। यह स्मार्ट कार्ड मेट्रो, आरआरटीएस और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में एकीकृत सुविधा प्रदान करेगा, जिससे महिलाओं की यात्रा सुरक्षित और सुलभ बनेगी।

दिल्ली के 4 स्कूलों और एक्सिस बैंक को बम से उड़ाने की धमकी, दिल्ली पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अलग-अलग इलाकों के 4 स्कूलों और एक बैंक को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और सभी स्थानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

सुबह करीब 8 बजे से 9.30 बजे के बीच दिल्ली कैंट स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल, मयूर विहार का सलवान पब्लिक स्कूल, जनकपुरी का मीरा पब्लिक स्कूल, बल्लीमारान स्थित राबिया गर्ल्स स्कूल और बरामखंबा रोड स्थित स्टेट्समैन हाउस में एक्सिस बैंक को धमकी भरे संदेश मिले। धमकी मिलने के बाद स्कूल परिसरों को एहतियातन खाली कराया गया। छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया, जबकि बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने गहन तलाशी अभियान शुरू किया। बैंक परिसर की भी बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक किसी भी स्थान से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। हालांकि, सुरक्षा के मद्देनजर सभी जगहों पर सर्च ऑपरेशन जारी है। प्रारंभिक जांच में धमकी के स्रोत का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

एसआईआर लिस्ट आने के बाद 2 लोगों की हुई मौत, अभिषेक बनर्जी बोले- बीजेपी धोखा देने वाली

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद और नेशनल जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी ने एसआईआर की लिस्ट आने के बाद लोगों के मौत की बात कही है। उन्होंने बताया कि SIR लिस्ट आने के बाद, आजट घबराहट में 2 मौतें हो गईं। उन्होंने कहा कि अगले दो महीनों तक, हमारे नेता SC और ST-बहुल इलाकों में घूमेंगे। टीएमसी सांसद ने कहा कि हमारे दलित और आदिवासी भाइयों और बहनों के साथ काम की बातचीत करेंगे।

आप जानते हैं कि चुनाव पास हैं जब BJP के गिद्ध ऊपर मंडराने लगते हैं, दरवाजों तक रेंगते हैं। उन्होंने कहा कि मगरमच्छ के आंसू और खोखले वादे करके वोट मांगते हैं। ये सिर्फ धोखा देने, बिना कोई निशान छोड़े गायब हो जाते हैं और अपने पीछे टूटे हुए वादे छोड़ जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के MP अभिषेक बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटाने का टारगेट SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) एक्सरसाइज शुरू होने से पहले ही तय कर लिया गया था। उन्होंने BJP पर 2026 के विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के लिए इलेक्शन कमीशन (EC) का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। SIR के बाद फाइनल वोटर रोल के पहले फेज के पब्लिकेशन के एक दिन बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, TMC के नेशनल जनरल सेक्रेटरी ने दावा किया कि BJP नेताओं ने वोटर लिस्ट से '1।2 करोड़ नाम' हटाने की बात सबके सामने कही थी। बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एक करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटाने का टारगेट SIR शुरू होने से पहले ही तय कर लिया गया था। BJP नेताओं ने बार-बार कहा है कि 1।2 करोड़ नाम हटाए जाएंगे। अगर आप हटाए गए नामों और फैसले के लिए रखे गए नामों को जोड़ दें, तो यह संख्या लगभग 1।2 करोड़ के आंकड़े के बराबर है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, BJP के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर की पहले की टिप्पणियों का जिक्र किया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 2 रोडवेज बसों में टक्कर, होली पर घर लौट रहे 3 लोगों की मौत, 31 घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में होली के मौके पर अपने घर लौट रहे बस सवार लोगों के साथ बड़ा हादसा हो गया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बांगरमऊ इलाके में रविवार रात दो रोडवेज बस में टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 31 गंभीर रूप से घायल हो गए। यात्रियों की मौत के बाद उनके घरों में चीख पुकार मच गई। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, रविवार देर रात आगरा डिपो की बस लखनऊ की तरफ जा रही थी। रास्ते में ड्राइवर बस से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार बस आगे जा ट्रक में जा घुसी। रेस्क्यू टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू करवाया। हादसे में

घायल 14 लोगों को अस्पताल में भती करवाया गया।

हादसे को लेकर पुलिस ने बताया कि थाना बांगरमऊ पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास सहित आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मथुरा डिपो बस का अगला हिस्सा चकनाचूर

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान रोडवेज बस एक्सप्रेसवे पर किनारे खड़ी थी। इसी दौरान मथुरा डिपो की एक बस ने सड़क किनारे खड़ी बस को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में मथुरा डिपो की बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

17 गंभीर घायल लखनऊ रेफर

मथुरा डिपो में सवार 20 यात्री बुरी तरह घायल हो गए। इनमें से तीन की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। 17 गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायलों में ज्यादातर पूर्वांचल के लोग थे जो होली पर घर वापस जा रहे थे। राहत और बचाव कार्य में टीमें रात भर मुस्तैदी से जुटी रहीं।

राज्यसभा सीट पर खींचतान जारी, आदित्य ठाकरे बोले- विधायक संख्या के हिसाब से हमें मिलनी चाहिए सीट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में राज्यसभा की सात सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होने हैं। इसी दिन वोटों की गिनती भी की जाएगी। इन चुनावों को लेकर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के भीतर हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को साफ किया कि गठबंधन के दलों के बीच बातचीत में कोई रुकावट नहीं है। उन्होंने कहा कि जीतने लायक इकलौती सीट उनकी पार्टी को मिलनी चाहिए क्योंकि उनके पास विधायकों की जरूरी संख्या है।

आदित्य ठाकरे ने क्या कहा?

आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सभी पार्टियां आपस में लगातार चर्चा कर रही हैं। ठाकरे के अनुसार, विधायकों की संख्या और गठबंधन की रोटेशन पॉलिसी के हिसाब से यह सीट शिवसेना (यूबीटी) के खाते में ही जानी चाहिए। उन्होंने इस सीट पर अपनी पार्टी का दावा मजबूती से पेश किया है।

संजय राउत ने क्या कहा?

पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी इस मुद्दे पर अहम जानकारी दी। रिपोर्टर्स से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 16 मार्च के चुनाव से पहले गठबंधन में मंथन चल रहा है। राउत ने जोर दिया कि शिवसेना (यूबीटी) विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए इस फैसले में उसका स्टैंड बहुत अहम होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद राजन विचारे और विनायक राउत ने पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलकर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। ये दोनों नेता 2024 का लोकसभा चुनाव हार गए थे।

किस पार्टी के पास कितने विधायक?

महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति के पास विधायकों का भारी समर्थन है। इस संख्या बल के कारण विपक्षी गठबंधन एमवीए संसद के ऊपरी सदन के लिए केवल एक सदस्य ही चुन पा रहा है। हालांकि, एमवीए के तीनों घटक दलों शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) ने इस इकलौती सीट पर अपना दावा किया है। अगर आंकड़ों को देखें तो शिवसेना (यूबीटी) के पास 20 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 16 और एनसीपी (शरद पवार) के पास 10 विधायक हैं।

इन नेताओं का खत्म हो रहा कार्यकाल

अप्रैल में कई बड़े नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनमें शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, फौजिया खान, रामदास अठावले, भागवत कराड, रजनी पाटिल और धैर्यशील पाटिल शामिल हैं। संजय राउत ने बताया कि शरद पवार एक और कार्यकाल के लिए इच्छुक हैं। इस विषय पर उद्धव ठाकरे और एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के बीच चर्चा भी हुई है। राउत ने कहा कि जो भी फैसला होगा, वह सबकी सहमति से लिया जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) एक क्षेत्रीय पार्टी है और वह चाहती है कि ऊपरी सदन में उसके कम से कम दो प्रतिनिधि जरूर हों।

दोस्ती, धोखा और कत्ल, दिल्ली की द्वारका पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी, मुख्य आरोपी समेत 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की द्वारका पुलिस ने छत्तीसगढ़ भवन के 48 साल के कैंटीन ऑपरेटर अनुरूप गुप्ता के हत्याकांड की गुत्थी को सुलझा लिया है। लालच और लूट में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। मामले में द्वारका पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी को द्वारका नॉर्थ पुलिस थाने में कैंटीन ऑपरेटर अनुरूप गुप्ता के लापता होने की सूचना दर्ज कराई गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसका भाई अनुरूप गुप्ता 18 फरवरी से लापता है और उसकी कार का भी पता नहीं चल रहा है। परिवार ने भी किसी पिछली दुश्मनी या झगड़े से इनकार किया और कहा कि अनुरूप गुप्ता शांति से अपनी जिंदगी जी रहा था। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने अनुरूप गुप्ता की तलाश के लिए टीम का गठन किया। शुरुआत में एनएचएआई अधिकारियों से कार का विवरण प्राप्त किया गया था और पाया गया कि कार को आखिरी बार 19-20 फरवरी की रात को यमुना एक्सप्रेसवे पर देखा गया था। इसके बाद टीम ने टोल प्लाजा पर वाहनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। द्वारका में भी मामले की जांच की गई और पता चला कि 18 फरवरी को अनुरूप गुप्ता ने एक बाइक बुक की थी और उसने अपनी कार छत्तीसगढ़ सदन में ही छोड़ दी थी। सीडीआर एनालिसिस की मदद से रैपिडो राइडर का पता लगाया गया और रैपिडो राइडर के कहने पर मटियाला एक्सटेंशन में एक घर की पहचान की गई, जहां रैपिडो राइडर ने लापता व्यक्ति को छोड़ा था।

बहराइच में कसाई बना बेटा! आधी रात को मां-बाप, दादी और बहन को काट डाला, इस बात की थी टीस

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। रुपईडीहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर उदल (रामनगर) गांव में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक कलयुगी बेटे ने मामूली विवाद में अपने ही परिवार के चार सदस्यों की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या कर डाली। इस खूनी खेल में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जबकि घर में मौजूद एक मासूम बच्चा चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गया।

घटना रात करीब 12:30 बजे की है, जब पूरा गांव गहरी नींद में था। अचानक बडलूराम के घर से उठी चीखों ने सन्नाटे को चीर दिया। बताया जा रहा है कि पिता द्वारा बेची

गई जमीन और गहनों के पैसों के बंटवारे को लेकर भाइयों और पिता के बीच विवाद चल रहा था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने वहशीपन की सारी हदें पार कर दीं और कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए।

आंगन में बिछीं लाशें, खून से लथपथ मिला घर

मौके पर पहुंची पुलिस ने जब घर के अंदर का नजारा देखा तो वो भी सन्न रह गए। आंगन और कमरों में चारों तरफ खून फैला हुआ था। इस नरसंहार में पिता बडलूराम (62), मां संजू देवी (60), दादी शिताला (82) और बहन पार्वती (20) की मौत हुई है। हैरानी की बात यह रही कि इस कत्लेआम के बीच घर में मौजूद एक मासूम बच्चा पूरी तरह सुरक्षित मिला, जिसे पुलिस ने तुरंत अपनी सुरक्षा में ले लिया।

घायल लखनऊ रेफर, गांव बना छावनी

चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 नंबर की टीम ने घायल गुरुदेव (40) और निरंकार (30) को अस्पताल पहुंचाया। निरंकार की हालत नाजुक होने के कारण उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी राम नयन सिंह और एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी भारी पुलिस बल और पीएसी के जवानों के साथ गांव पहुंचे। फिलहाल गांव में तनाव को देखते हुए भारी फोर्स तैनात की गई है।

फॉरेंसिक टीम को मिली कुल्हाड़ी

देर रात फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और घर के बाहर झाड़ियों से वही कुल्हाड़ी बरामद कर ली है, जिससे इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी गहरे मानसिक तनाव में था और संपत्ति विवाद को लेकर काफी समय से रंजिश रख रहा था। पुलिस अब घायलों के होश में आने का इंतजार कर रही है ताकि हत्याकांड की कड़ियों को पूरी तरह जोड़ा जा सके।

चौकी इंचार्ज ने मुसहर बस्ती में बांटे होली के रंग, बच्चों और परिवारों में खुशी का माहौल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। राहुलनगर चौकी इंचार्ज कन्हैया पाण्डेय ने मुसहर बस्ती में होली का त्योहार मनाया। उन्होंने जरूरतमंद बच्चों और परिवारों के बीच अबीर-गुलाल, पिचकारी, रिफाइन तेल, चीनी और चिप्स जैसी सामग्री वितरित की। इस पहल से बस्ती के लोगों के चेहरों पर खुशी देखी गई। पुलिस की गाड़ी बस्ती में पहुँचते ही बच्चों में उत्साह देखा गया। बच्चे कन्हैया भैया आ गए कहकर उनका स्वागत करने लगे। कुछ बच्चों ने सलामी दी, जबकि अन्य उत्सुकता से उनसे मिलने आए। महिलाओं और बुजुर्गों ने भी चौकी इंचार्ज का अभिवादन किया। सामग्री वितरण के दौरान कन्हैया पाण्डेय ने बच्चों से प्रेम और सद्भाव के साथ होली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों का महत्व तभी है जब सभी घरों में

खुशियां हों और कोई भूखा न रहे। यह पहली बार नहीं है जब चौकी इंचार्ज कन्हैया पाण्डेय ने इस तरह की पहल की है। इससे पहले भी वह सर्दियों में कंबल वितरण, बरसात में राहत सामग्री और अन्य अवसरों पर जरूरतमंदों को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराते रहे हैं। उनके इन प्रयासों की स्थानीय स्तर पर सराहना होती रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जब पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित न रहकर सामाजिक कार्यों में भी भागीदारी करती है, तो जनता का विश्वास बढ़ता है। मुसहर बस्ती के एक बुजुर्ग ने इस पहल को पुलिस और समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने वाला बताया। पुलिस की छवि को लेकर समाज में विभिन्न धारणाएं हैं। हालांकि, इस तरह के मानवीय प्रयासों से पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। जब पुलिसकर्मी जरूरतमंदों के त्योहारों में शामिल होते हैं, तो यह उनके कर्तव्य के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव को भी दर्शाता है। राहुलनगर क्षेत्र में कन्हैया पाण्डेय की यह पहल सराहनीय मानी जा रही है। यह अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करती है कि कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी पुलिसिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अनियंत्रित ट्रक पलटा, चालक सुरक्षित

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। गल्ला लादकर जिला मुख्यालय जा रही ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में पलट गई। गनीमत रही कि चालक बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार दोस्तपुर थाना क्षेत्र के बनी गांव से सोमवार सुबह गल्ला लादकर ट्रक दोस्तपुर-बरौंसा मार्ग से जिला मुख्यालय की ओर जा रही थी। जैसे ही ट्रक जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के नुमाये गांव के पास पहुंची, चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में पलट गया। हादसे में ट्रक चालक गुड्डू (40) पुत्र बाबूलाल निवासी सुल्तानपुर को मामूली चोटें आईं। आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे ट्रक से बाहर निकाला और इलाज के लिए बिरसिंहपुर स्थित सौ बेड अस्पताल भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया। बिरसिंहपुर चौकी प्रभारी प्रेम नारायण राजपूत ने बताया कि चालक नशे की हालत में था। फिलहाल उसे आंशिक चोट आई है और मामले की जांच की जा रही है।

बदल गई नमो भारत और मेरठ मेट्रो ट्रेन की टाइमिंग, अब कितने बजे शुरू होगी सेवा?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। नमो भारत और मेरठ मेट्रो सेवाएं को लेकर एनसीआरटीसी ने जरूरी सूचना जारी की है। एनसीआरटीसी (NCRTC) द्वारा जारी सूचना के अनुसार, 4 मार्च को नमो भारत और मेरठ मेट्रो सेवाएं सुबह 6 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक बंद रहेंगी। यह निर्णय होली के त्योहार के दौरान होने वाले रंग खेलने के कार्यक्रम को देखते हुए लिया गया है।

एनसीआरटीसी ने नमो भारत और मेरठ मेट्रो सेवाओं के समय में बदलाव का निर्णय लिया गया है। एनसीआरटीसी का मानना है कि पूरे दिन रंगोत्सव की वजह से मेट्रो सेवाओं को शाम 5 बजे से बंद किया गया है। इसके बाद शाम 5 बज से पुनः मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी और यह रात 10 बजे तक जारी रहेंगी।

हालांकि, होली के दिन सेवाओं

में यह अस्थायी बदलाव किया गया है, लेकिन यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो सेवाओं के सामान्य संचालन समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं अब नमो भारत और मेरठ मेट्रो सेवाएं प्रतिदिन, यानी सोमवार से रविवार तक सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक नियमित रूप से जारी रहेंगी। इसमें रविवार का दिन भी शामिल है, जिससे सप्ताहांत पर यात्रा करने वाले यात्रियों को भी असुविधा का सामना ना करने पड़े।

यात्रियों से सहयोग की अपील

एनसीआरटीसी ने यात्रियों से अपील की है कि वो घर से निकले से पहले नमो भारत मेरठ मेट्रो सेवा के लिए जारी की सूचना को जरूर पढ़ लें। वहीं इस अस्थायी परिवर्तन के संबंध में लोगों से सहयोग की अपेक्षा की है। लोगों को सूचित किया है कि वे शाम 5 बजे के बाद ही मेट्रो स्टेशनों पर पहुंचे और अपनी यात्रा की योजना बनाएं। यह कदम त्योहार के उल्लास को बनाए रखने और साथ ही यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। हाल ही में मेरठ तक नमो भारत का संचालन शुरू हुआ है, जिससे लाखों को लोगों को लाभ मिल रहा है। नमो भारत के संचालन से लोगों को यात्रा में आसानी हुई है।

इंटर कॉलेज में प्रवेश परीक्षा के छात्रों को पुरस्कार

आर्यावर्त संवाददाता

कूरेभार/सुल्तानपुर। सैदखानपुर-कूरेभार में कक्षा 9 में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस परीक्षा में कुल 422 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। यह प्रवेश परीक्षा 22 फरवरी 2026 को आयोजित की गई थी, जिसमें कक्षा 8 में अध्ययनरत विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। पुरस्कार वितरण समारोह में परीक्षा में शामिल सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से, 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया, जिनमें आरती वर्मा, दिव्या गुप्ता, कंचना विश्वकर्मा, खुशबू यादव और जानवी तिवारी प्रमुख थीं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक बजरंगी प्रसाद यादव सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में लाल बहादुर यादव, राज बहादुर यादव, राम उजागिर यादव, मेराज खान, सुभाष चंद्र मोहन, रंजीत यादव, शिवेंद्र सिंह, पूनम कनौजिया सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के प्रति निरंतर परिश्रम करने का संदेश दिया।

प्रतिभा खोज परीक्षा में मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

कूरेभार/सुल्तानपुर। कूरेभार स्थित श्री कृष्ण इंटरमीडिएट कॉलेज में आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा के उपरांत उच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें विद्यालय में अध्ययन हेतु विशेष सुविधाएं प्रदान करने की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रबंधक बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया कि विद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष को सिल्वर जुबली वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में विशेष प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को विद्यालय में निशुल्क

प्रवेश दिया जाएगा। लेकिन यह निशुल्क प्रक्रिया उन्ही विद्यार्थियों के लिए मान्य होगी जो परीक्षा फल की घोषणा अथवा पुरस्कार वितरण के दिन तक सीट कन्फर्मेशन शुल्क जमा करेंगे केवल सीट कन्फर्मेशन शुल्क के रूप में ₹500 निर्धारित किया गया है। प्रबंधन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। विद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रतिभा खोज परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों के बीच लगभग ₹53,000 की पुरस्कार राशि वितरित की गई। मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा उन्हें विद्यालय से जुड़कर उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। सबसे चर्चित बात पुरस्कार वितरण में यह रही की परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उत्साह एवं सम्मान समारोह के साथ सम्पन्न हुआ।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर कौन फेंक रहा लाश? 24 घंटे के अंदर दो शव मिलने से हड़कंप, जांच में सामने आई ये बात

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग जगह पर शव मिलने की घटनाओं ने इलाके में सनसनी फैला दी है। पहले सेक्टर-135 के डूब क्षेत्र में चालक का लहूलुहान शव सड़क किनारे मिला। इसके कुछ घंटे के बाद ही मॉल के सामने सर्विस रोड पर एक युवती की लाश बरामद हुई। लगातार सामने आई इन घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर लाशों को फेंकने वाला अपराधी है कौन? पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में तफ्तीश शुरू कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र के सेक्टर-135 स्थित डूब क्षेत्र में 45 वर्षीय एक ट्रक चालक का शव सड़क किनारे खून से सना हुआ मिला। स्थानीय लोगों की

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जताकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे रंजिश या आपसी विवाद के चलते हत्या की आशंका जताकर जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस का इस पूरे मामले में कहना है कि मृतक की पहचान कर ली गई है मृतक राकेश मिक्सर प्लांट में चालक के रूप में काम करने वाला है।

सर्विस रोड पर युवती का मिला शव

वहीं, इस घटना के कुछ घंटे के बाद ही पुलिस को एक युवती का शव थाना क्षेत्र के माल के सामने सर्विस रोड के किनारे पड़ा हुआ मिला। राहगीरों ने जब इस युवती के शव को दिखा तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया और जांच पड़ताल शुरू की। जांच के दौरान युवती की पहचान कविता के रूप में हुई है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती की हत्या कहीं और की गई है और उसके शव को यहां लाकर फेंका गया है। हालांकि सब यहां तक कैसे पहुंचा पुलिस एक्सप्रेस वे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाल रही है।

मामले में क्या बोले ज्वाइंट सीपी?

गौतम बुद्ध नगर के ज्वाइंट सीपी राजीव नारायण मिश्र ने बताया- लगातार दो शब्द मिलने के बाद पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। दोनों मामलों की जांच के लिए अलग-अलग टीम में गठित की गई है। उनका कहना है कि अभी तक दोनों घटनाओं के बीच किसी भी संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। मोबाइल कॉल डिटेल लोकेशन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सैनडिगन की पहचान की जा रही है और पुलिस की टीम जल्द ही दोनों मामलों में खुलासा करेगी।

एक ही थाना क्षेत्र में दो शव मिलने से उठ रहे सवाल?

एक ही थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर दो शो मिलने से स्थानीय लोगों में बेचैनी है खासकर एक्सप्रेसवे और उससे जुड़े सर्विस रोड में डूब क्षेत्र जैसे सुनसान इलाकों को लेकर लोगों की चिंताएं बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि रात के समय पुलिस अगस्त बढ़ाने और निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने की जरूरत है। फिलहाल दोनों मामलों में जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

खटारा बस कागज पर फिट, सड़क पर अनफिट: अलीगढ़ में 4 साल की बच्ची की मौत ने खोली आरटीओ और स्कूल प्रबंधन की पोल

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़-कासगंज सीमा से सटे क्षेत्र में 28 फरवरी 2026 को हुआ एक बेहद दुखद और लापरवाही से भरा स्कूल बस हादसा है। ये घटना गंगीरी-कासगंज रोड पर ढोलना इलाके नगला साधु के पास में हुई, जहां एक चलती स्कूल बस का फर्श अचानक टूट गया, जिससे बस में सवार एक छोटी छात्रा नीचे गिर गई और बस के पिछले पहिए के नीचे आकर उसकी मौत हो गई।

अनन्या UKG या छोटी कक्षा की छात्रा थी। वो अपने बड़े भाई के साथ स्कूल माउंट देवा इंटरनेशनल से बस का नंबर UP 81 BT-8873 (स्कूल बस)अपने घर लौट रही थी। बस की हालत जर्जर थी। चलते-चलते अचानक बस का फर्श टूट गया। अनन्या सीट से नीचे सड़क पर

गिर गई और बस का पिछला पहिया उसके सिर और छाती पर चढ़ गया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

उसके भाई ने चिल्लाकर ड्राइवर को बस रोकने को कहा, लेकिन ड्राइवर को शुरू में पता नहीं चला। ड्राइवर ने बच्ची को बेहोश समझकर गंगीरी चौराहे पर लाकर उसके परिजनों को बताया। हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने गुस्से में सड़क जाम कर दिया और हंगामा किया। ड्राइवर चंद्रप्रकाश को ग्रामीणों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया बस का परमिट समाप्त हो चुका था ओर बीमा नहीं था। बस जर्जर हालत में थी।

बस ड्राइवर को किया अरेस्ट

डीआईजी के दखल के बाद मुकदमा गंगीरी थाने में दर्ज हुआ गंगीरी थाने में अनन्या के पिता की तहरीर पर स्कूल प्रबंधक अरविंद यादव और ड्राइवर चंद्रप्रकाश के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज। ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया। स्कूल प्रबंधन ने भी 4 स्टाफ को सस्पेंड किया।

किसने-किसने बरती लापरवाही

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के निर्देश पर जांच हुई और जांच में पाया गया कि अलीगढ़ की आरटीओ प्रवर्तन वंदना सिंह ने स्कूली वाहनों की सघन चेकिंग नहीं की (जनवरी 2026 में सड़क सुरक्षा माह के निर्देशों की अनदेखी)। तत्कालीन संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) चंपालाल (वर्तमान में सिद्धार्थनगर में तैनात) ने जर्जर बस को फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किया।

रविवार (1 मार्च 2026) को दोनों को निलंबित कर दिया गया और लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध किया गया। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह के अनुसार, अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) आगरा, एआरटीओ (प्रशासन/प्रवर्तन) अलीगढ़, एआरटीओ कासगंज और अलीगढ़ के यात्रीकर अधिकारी शामिल हैं। इनसे 3 दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

जर्जर हालत में थी स्कूल बस

एआरटीओ प्रवेश कुमार की ओर से तहरीर दी गई जिसमें कहा गया कि स्कूल बस अनफिट थी, जिसमें नियमों को पूरा नहीं किया गया था। जर्जर अवस्था में चल रही बस में ही बच्चों को लाया ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस तहरीर को जांच का हिस्सा बनाया है।

स्कूल प्रबंधन और बस चालक पर मामला दर्ज

DSP संजीव तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्ची के पिता द्वारा दी गई तहरीर पर गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। स्कूल प्रबंधन और बस चालक पर मामला दर्ज किया गया है। चालक को ढोलना थाने से बुलाकर उसे जेल भेज दिया है। वहीं, स्कूल प्रबंधन को भी जेल भेजा जाएगा। वहीं, आरटीओ की तहरीर पर जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

उमरी में गौरैया आओ मेरे देश में अभियान चलाया गया

आर्यावर्त संवाददाता

कूरेभार/सुल्तानपुर। कटका क्लब सामाजिक संस्था के द्वारा उमरी (नगरहवा) सुदनापुर बाजार में गौरैया आओ मेरे देश में अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश प्रभारी ऋषभदेव शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता शिक्षक साहित्यकार सर्वेश कांत वर्मा ने बताया कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और पर्यावरणीय बदलावों के कारण गौरैया की संख्या में भारी गिरावट आई है। हमें अपने आसपास के पर्यावरण को अनुकूल बनाकर, पेड़-पौधे लगाकर और पक्षियों के लिए पानी और दाने की व्यवस्था करके इनके संरक्षण में योगदान देना चाहिए। इस मौके पर शिखा शुक्ला सहायक अध्यापिका प्राथमिक विद्यालय नरायनपुर ने बताया कि गौरैया के तेजी से लुप्त होने के कई कारण हैं। सीसा रहित पेट्रोल के उपयोग से जहरीले यौगिक पैदा हुए हैं जो उन कीटों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिन पर गौरैया भोजन के लिए निर्भर हैं। शहरीकरण ने उनके प्राकृतिक घोंसले के स्थान भी छीन लिए हैं। शहरीकरण ने उनके प्राकृतिक घोंसले के स्थानों को छीन लिया है। वहीं राजकीय इंटर कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक लालमणि दुबे ने संस्था कि अभियान सराहना करते हुए कहा कि हम सभी का नैतिक दायित्व है गौरैया को बचाना। कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष डॉ सौरभ मिश्र विनम्र ने किया। आए अतिथियों के प्रति ऋषभदेव शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर बृजेन्द्र मिश्र ,विभु शुक्ला,रमेश कुमार शुक्ला, मनोज कुमार ,राम शंकर शुक्ला, आशीष शुक्ला, राघवेंद्र शुक्ला, सुशांत,रवि शंकर शुक्ला अविरल, सौम्य, राजकुमारी शुक्ला, कन्हैयालाल शुक्ला दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

लखनऊ में 'बियॉन्ड बाउंड्रीज' पहल का विस्तार, डीपी वर्ल्ड ने पैवेलियन और 250 क्रिकेट किट्स सौंपीं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डीपी वर्ल्ड ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अपनी 'बियॉन्ड बाउंड्रीज' पहल का विस्तार करते हुए पुनर्प्रयोजित शिपिंग कंटेनर से तैयार एक बहुउद्देश्यीय पैवेलियन और 250 क्रिकेट किट्स उपलब्ध कराईं। इस पहल का उद्देश्य प्रदेश में जमीनी स्तर पर क्रिकेट तक पहुंच को सुदृढ़ करना है।

शिपिंग कंटेनर को पूरी तरह सुसज्जित बहुउद्देश्यीय पैवेलियन में परिवर्तित किया गया है, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, तैयारी और विश्राम के लिए समर्पित स्थान मिल सकेगा। लखनऊ स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट दिग्गज युवराज सिंह की उपस्थिति में इसका अनावरण किया गया। इस पैवेलियन को स्थायी रूप से सेज क्रिकेट अकादमी में स्थापित किया जाएगा। 250 क्रिकेट किट्स के माध्यम से चयनित अकादमियों को उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने और सुव्यवस्थित प्रशिक्षण देने में सहायता मिलेगी।यह पहल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के सहयोग से संचालित की गई है। डीपी वर्ल्ड ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बनने वाले प्रत्येक 100 रन पर 10 क्रिकेट किट दान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे यह पहल और सशक्त करती है।कार्यक्रम के दौरान युवराज सिंह ने कहा कि भारत के हर कोने में प्रतिभा है, लेकिन उचित सुविधाओं और उपकरणों की उपलब्धता से ही वास्तविक अंतर आता है। 'बियॉन्ड बाउंड्रीज' जैसी पहल युवा खिलाड़ियों को आवश्यक आधारभूत संरचना और आत्मविश्वास प्रदान करती है, जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकें।डीपी वर्ल्ड, उपमहाद्वीप (भारत) के कंट्री मैनेजर हेमंत कुमार रुइया ने कहा कि उभरते क्रिकेटरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उचित सुविधाओं तक पहुंच की होती है। उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रयास केवल आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय साझेदारी के माध्यम से युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार करना है।उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के मानद सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने कहा कि राज्य की क्रिकेट परंपरा समृद्ध रही है और यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इस साझेदारी से प्रदेश में जमीनी स्तर पर क्रिकेट के विकास को नई मजबूती मिलेगी।वर्ष 2023 में प्रारंभ होने के बाद से 'बियॉन्ड बाउंड्रीज' पहल के अंतर्गत आठ देशों में 13 पुनर्प्रयोजित शिपिंग कंटेनर और 3,500 क्रिकेट किट्स वितरित की जा चुकी हैं। भारत में नई दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और चेन्नई के खिलाड़ियों को इस पहल का लाभ मिल चुका है। 80 से अधिक देशों में अपने एकीकृत वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से डीपी वर्ल्ड आने वाले समय में इस पहल का और विस्तार करेगी तथा वर्ष 2026 में अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना पर कार्य करेगी।

सरस मेले के समापन पर बोले केशव प्रसाद मौर्य, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का आह्वान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। "जब नारी सशक्त होती है तो परिवार, समाज और राष्ट्र सशक्त होता है। स्वयं सहायता समूहों की बहनों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि अवसर और मंच मिले तो वे आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं।" यह उद्गार प्रदेश के उप मुख्यमंत्री Keshav Prasad Maurya ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित ग्यारह दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सरस मेले के भव्य समापन समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वयं सहायता समूहों की बहनों ने मेले में सजावटी सामग्री, खाद्य प्रसाद, पीतल शिल्प, अचार-मुरब्बा, चमड़ा उत्पाद,

कृत्रिम आभूषण, वस्त्र, कालीन, जूट एवं मूंज उत्पादों के माध्यम से न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि उल्लेखनीय व्यापार कर यह साबित किया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ महिलाएं ही हैं।उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक समूह अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ते हुए प्रदेश में एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएं तथा उन्हें भविष्य में करोड़पति महिला बनाने की दिशा में संगठित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यह पहल आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की मजबूत आधारशिला बनेगी।समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री ने वाराणसी की दो बीमा सखियों मीना देवी एवं प्रतिभा देवी तथा दो लखपति महिलाओं शर्मीला देवी एवं लक्ष्मी वर्मा को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जनपद के 703 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि तथा 20 समूहों को आवर्ती निधि मद में कुल 10 करोड़ 60 लाख 50 हजार रुपये की धनराशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। साथ ही दो समूहों की महिलाओं को ई-रिक्शा वितरित कर प्रमाण पत्र सौंपे गए।मेले में सर्वाधिक बिक्री के लिए लखीमपुर खीरी जनपद के समूह को प्रथम तथा मीरजापुर जनपद को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्टाल सजावट हेतु गाजीपुर के मालिक मरदान शाह समूह को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री ने सभी स्टालों का अवलोकन कर उत्पादों की जानकारी ली तथा आजीविका मिशन द्वारा संचालित भोजन परिसर की सराहना की।कार्यक्रम में पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन विषयक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिससे समूहों की उत्पाद गुणवत्ता और बाजार प्रतिस्पर्धा को और सुदृढ़ किया जा सके।इस अवसर पर महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा एवं धर्मेन्द्र सिंह, पूर्व महापौर कौशलेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं। उप मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि भविष्य में भी सरस मेले का आयोजन निरंतर किया जाएगा, जिससे विभिन्न प्रदेशों और जनपदों की महिलाएं एक-दूसरे से प्रेरणा लेकर अपने उद्यम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रगति का मार्ग महिलाओं की आर्थिक भागीदारी से होकर ही जाता है।

○ संक्षेप ○

जंग या अमन पर सरकार स्पष्ट रुख़ बताए : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि इंसान के साथ इंसानियत का मारा जाना बेहद अफसोसजनक है और हर देश को जिम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे जानलेवा हमलों और युद्ध जैसे हालातों के बीच मानवीय दृष्टिकोण सर्वोपरि होना चाहिए।अखिलेश यादव ने कहा कि किसी देश के सबसे खास व्यक्ति से लेकर आम नागरिकों तक पर हो रहे हमलों के इस दौर में भारत सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार बताए कि वह जंग के साथ है या अमन के पक्ष में। साथ ही यह भी स्पष्ट करे कि एक तटस्थ देश होने के नाते युद्ध रोकने और शांति बहाली के लिए वह किस प्रकार के कूटनीतिक प्रयास कर रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को युद्ध में मारे जाने वालों से जुड़ी खबरों की हर संभव स्तर पर पुष्टि करनी चाहिए और सत्य को जनता के सामने रखना चाहिए। उनका कहना था कि युद्धकालीन समाचार अक्सर रणनीति का हिस्सा होते हैं, इसलिए उनकी स्वतंत्र और विश्वसनीय पुष्टि आवश्यक है, ताकि भ्रम और अफवाहों की स्थिति न बने।

विद्युत दुर्घटना में संविदा कर्मी की मृत्यु, कांग्रेस ने 25 लाख सहायता व नौकरी की मांग की

लखनऊ। 83 केवी विद्युत लाइन पर कार्य करते समय दिनांक 28 फरवरी 2026 को हुई विद्युत दुर्घटना में संविदा कर्मी परशुराम पुत्र स्वर्गीय हनुमान की मृत्यु के प्रकरण में Ajay Rai स्वयं घटना की वस्तुस्थिति जानने ग्राम तरैना, थाना गुडम्बा पहुंचे। वहां उन्होंने मृतक के परिजनों से मिलकर सांत्वना दी और घटना की जानकारी ली।इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि स्वर्गीय परशुराम अत्यंत गरीब परिवार से थे और उनके परिवार में तीन पुत्रियां हैं। परिवार में आजीविका का कोई अन्य साधन नहीं था और वही एकमात्र सहारा थे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में परिवार गहरे संकट में आ गया है।अजय राय ने प्रदेश सरकार से मांग की कि मृतक के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में नियुक्ति दी जाए, ताकि आश्रित परिवार का भरण-पोषण और पुत्रियों की समुचित देखभाल हो सके।इसी क्रम में उनके निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह ने मध्यांचल विद्युत वितरण खंड के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर मृतक के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

आश्रय एल्डिको में युवक ने लगाई फांसी, उपचार के दौरान मृत्यु

लखनऊ। थाना क्षेत्र में 02 मार्च 2026 को दोपहर 12:30 बजे सूचना प्राप्त हुई कि आश्रय एल्डिको में रहने वाले एक व्यक्ति ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।पुलिस जांच में पता चला कि मकान संख्या ए-134, आश्रय एल्डिको में किराए पर रहने वाले ऑटो चालक अभिषेक रावत पुत्र कुलदीप रावत, निवासी हैवतमऊ मवैया, थाना पीजीआई, उम्र लगभग 25 वर्ष ने अपने कमरे में छत के पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली।परिजनों के अनुसार, घटना की जानकारी होते ही उन्होंने तत्काल अभिषेक को नीचे उतारकर उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

होली पर धर्मपाल सिंह ने दी शुभकामनाएं, गौ काष्ठ से होलिका दहन की अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजनैतिक पेंशन विभाग के कैबिनेट मंत्री Dharampal Singh ने होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने होलिका दहन के अवसर पर पर्यावरण के अनुकूल गाय के गोबर से निर्मित गौ काष्ठ और लट्ठों के उपयोग की अपील की। उनका कहना है कि इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायता मिलेगी।अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि रंगों, उल्लास और आपसी प्रेम का यह पावन पर्व जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और भाईचारे का संदेश लेकर आता है। होली हमें भेदभाव मिटाकर प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि इस अवसर पर सामाजिक समरसता, ग्रामीण समृद्धि और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के संकल्प को और सशक्त करें। साथ ही सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रंगों का यह पर्व सबके जीवन को खुशियों के विविध रंगों से भर दे।

बीएलओ पर गलत कार्य का दबाव, शिक्षामित्र की आत्महत्या पर अखिलेश यादव का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर बढ़ते प्रशासनिक दबाव को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ पर दिन-रात चौबीसों घंटे काम का दबाव बनाया जा रहा है और इसके साथ ही गलत कार्य करने के लिए भी बाध्य किया जा रहा है। पहले 'फार्म 7' के माध्यम से सही मतदाताओं के नाम काटने का दबाव था, जबकि अब 'फार्म 6' के जरिए नए फर्जी नाम जोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अधिकतर बीएलओ का मन इस प्रकार के गलत कार्य की अनुमति नहीं देता, जिसके कारण वे मानसिक रूप से टूट रहे हैं। इसी दबाव के चलते कुछ लोग हताश होकर आत्महत्या जैसे प्राणघातक कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।अखिलेश यादव ने जनपद फतेहपुर के बिंदकी क्षेत्र के ग्राम अलियाबाद के शिक्षामित्र एवं बीएलओ अखिलेश कुमार सविता की आत्महत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने 'एसआईआर-2026 जीवनमुक्ति' शीर्षक से एक चिट्ठी लिखकर शनिवार शाम को सरकारी प्राथमिक विद्यालय के एक कक्ष में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने दावा किया कि आत्महत्या का कारण एसआईआर का अत्यधिक दबाव और बेटी की शादी से दस दिन पहले भी अवकाश न दिया जाना था।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने सभी बीएलओ से अपील की कि वे निराश न हों और किसी भी परिस्थिति में ऐसा कदम न उठाएं। उनका जीवन उनके परिवार और समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

3 मार्च को दिखेगा वर्ष का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण, लखनऊ में लगभग 39 मिनट रहेगा दृश्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। 3 मार्च 2026 की शाम आकाश में एक अत्यंत आकर्षक खगोलीय घटना घटित होगी। इस दिन वर्ष 2026 का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखाई देगा। यदि मौसम साफ रहा तो भारत के अनेक भागों, लखनऊ सहित उत्तर भारत में, इसका अंतिम चरण देखा जा सकेगा। पूर्ण अवस्था में चंद्रमा लालिमा लिए दिखाई दे सकता है, जिसे सामान्य भाषा में रक्त चंद्र भी कहा जाता है।इंदिरा गाँधी नक्षत्रशाला द्वारा नक्षत्रशाला परिसर में जनसामान्य के लिए रात्रि आकाश दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर दूरबीन के माध्यम से चंद्र ग्रहण का अवलोकन कराया जाएगा। यह कार्यक्रम सायंकाल से रात्रि 7 बजे तक संचालित होगा तथा पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। आयोजन में उत्तर प्रदेश

अमेच्योर एस्ट्रोनॉमर्स क्लब का सहयोग रहेगा।भारत के अधिकांश हिस्सों में चंद्रमा उस समय उदित होगा जब ग्रहण पहले से जारी रहेगा। लखनऊ में सूर्यास्त का समय 18 बजकर 08 मिनट है, इसलिए चंद्रमा पूर्व दिशा में क्षितिज के पास दिखाई देगा। उस समय पूर्ण चरण समाप्त हो चुका होगा, किंतु आंशिक चरण जारी रहेगा। इस दौरान चंद्रमा हल्का धुंधला अथवा लालिमा लिए दिखाई दे सकता है। लखनऊ से चंद्र ग्रहण को देखने की संभावित अवधि लगभग 39 मिनट होगी।लखनऊ में उपछाया ग्रहण का प्रारंभ दोपहर 14 बजकर 14 मिनट पर होगा। आंशिक ग्रहण 15 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा। पूर्ण ग्रहण 16 बजकर 34 मिनट पर प्रारंभ होकर 59 मिनट तक रहेगा और 17 बजकर 33 मिनट पर समाप्त होगा। इसके बाद आंशिक ग्रहण 18 बजकर 47 मिनट पर समाप्त होगा तथा उपछाया ग्रहण 19 बजकर 53 मिनट पर समाप्त होगा।चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। यह घटना केवल पूर्णिमा की रात संभव होती है। जब पृथ्वी सूर्य के प्रकाश को सीधे चंद्रमा तक पहुँचने से रोकती है, तब प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होकर मुड़ता और छनता हुआ चंद्रमा तक पहुँचता है। वायुमंडल नीली रोशनी को अधिक बिखेर देता है और लाल रोशनी को आगे जाने देता है, इसी कारण पूर्ण चंद्र ग्रहण के समय चंद्रमा लालिमा लिए दिखाई देता है।चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी की सूर्य के चारों ओर की कक्षा से लगभग पाँच अंश झुकी हुई है, इसलिए हर पूर्णिमा पर ग्रहण नहीं होता। केवल जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं, तभी ग्रहण संभव होता है। इस प्रकार 3 मार्च 2026 का पूर्ण चंद्र ग्रहण खगोल प्रेमियों और आम नागरिकों के लिए एक विशेष अवसर है।

गौतमपल्ली पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा, डेढ़ लाख की साइकिल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। जोन-मध्य के थाना गौतमपल्ली पुलिस दल ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर चोरी की गई ट्रेक कंपनी की रेंजर साइकिल बरामद की है। बरामद साइकिल की कीमत लगभग 1,50,000 रुपये बताई गई है।पुलिस के अनुसार 13 फरवरी 2026 की मध्य रात्रि में विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास संख्या 16ए के पोर्च में खड़ी ट्रेक कंपनी की रेंजर साइकिल चोरी हो गई थी। इस संबंध में अरुण कुमार दुबे पुत्र कृष्ण कुमार दुबे निवासी 16ए विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ द्वारा 14 फरवरी 2026 को थाना गौतमपल्ली में मुकदमा अपराध संख्या 15/26 धारा 305 बीएनएस के अंतर्गत अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत कराया गया था।मामले के पंजीकरण के बाद पुलिस ने अज्ञात चोर और चोरी गई साइकिल की बरामदगी के लिए

व्यापक सुरागरसी की। लगभग 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तथा तकनीकी साधनों का उपयोग किया गया। थाना गौतमपल्ली पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में चोरी की साइकिल अभियुक्त सूरज पुत्र स्वर्गीय भगवती प्रसाद निवासी धन्नूपुरवा, थाना कोतवाली शहर, जनपद हरदोई, उम्र 30 वर्ष के कब्जे से बरामद की गई। अभियुक्त के विरुद्ध धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि करते हुए उसे धारा 305/317(2) बीएनएस के तहत पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। नियमानुसार कार्रवाई कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके विरुद्ध वर्ष 2020, 2021 और 2023 में आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के अंतर्गत थाना कोतवाली सिटी, जनपद हरदोई में मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2023 में थाना आशियाना, लखनऊ में धारा 379/411/413 भादवि के तहत भी मुकदमा पंजीकृत है।

प्रदेश के मंत्रियों ने दी होली की शुभकामनाएँ

लखनऊ। प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के मंत्रियों ने होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। शुभकामना संदेश देने वालों में कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्यप्रताप शाही, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान, उच्चशिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री आशीष पटेल, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी शामिल हैं।

होली मिलन समारोह में सामाजिक एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश मुख्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को बांटने वाली राजनीति के विरुद्ध भाईचारे और जागरूकता का वातावरण मजबूत करना समय की आवश्यकता है। समारोह में सभी साथियों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प दोहराया।प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पार्टी के बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ द्वारा होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी वर्ग के प्रतिनिधि शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द, राजनीतिक सजगता और सकारात्मक संवाद का वातावरण बना रहा।इस अवसर पर निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल ने कहा कि नफरत और विभाजन की राजनीति देश और प्रदेश को कमजोर करती है, जबकि प्रेम और भाईचारा समाज को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि जनता को महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल मुद्दों से भटकाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अब लोग जागरूक हो चुके हैं और समय आने पर जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि होली का पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर समाज और लोकतंत्र की मजबूती के लिए एकजुट होने का संदेश देता है।

जल जीवन मिशन में अनियमितताओं पर आरपीआई (आ.) का मुख्यमंत्री को पत्र, उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में विकास योजनाओं को लेकर शासन स्तर पर बरती जा रही उदासीनता के विरोध में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आ.) ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जनता के मुद्दों की ओर ध्यान आकृष्ट करने का निर्णय लिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष Pawan Bhai Gupta ने कहा कि जब तक जनता के प्रति जवाबदेही तय नहीं की जाती, तब तक वे पत्र लिखकर सरकार को आईना दिखाते रहेंगे।इसी क्रम में 'जल जीवन मिशन' योजना में व्याप्त खामियों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजा गया है और निष्पक्ष बाह्य एजेंसी से जांच कराने तथा दोषियों को दंडित करने की मांग उठाई गई है। पत्र में कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'हर घर जल' का उद्देश्य प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है, किंतु कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से इस उद्देश्य को गंभीर क्षति पहुंचाई जा रही है।पत्र में उल्लेख किया गया है कि बहराइच, प्रयागराज, महोबा और फतेहपुर सहित कई जनपदों से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कहीं निर्माणाधीन पानी की टंकियां गिर रही हैं तो कहीं तैयार टंकियों से पानी का रिसाव हो रहा है। पाइपलाइन बिछाने के नाम पर गांवों की सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है। कई स्थानों पर पाइपलाइन डालने के बाद भी नलों में पानी नहीं पहुंच रहा है।प्रदेश अध्यक्ष ने इसे सरकारी धन का दुरुपयोग और जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ बताया है। उन्होंने मांग की है कि संबंधित जनपदों में चल रहे कार्यों की उच्च स्तरीय स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों और लापरवाह ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

होली पर सुरेश कुमार खन्ना ने दी शुभकामनाएं, प्रशासन को बेहतर व्यवस्थाओं के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री Suresh Kumar Khanna ने रंगों के पावन पर्व होली पर जनपदवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल रंगों का नहीं, बल्कि परस्पर प्रेम, सम्मान, सौहार्द और सहयोग का प्रतीक है।प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त एवं नगर आयुक्त को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि होली पर्व को ध्यान में रखते हुए जनपद के प्रमुख स्थानों पर साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के व्यापक प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनपद में होली का पर्व व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। विभिन्न स्थानों पर होलिका दहन, पूजा एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसे देखते हुए आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु की शहादत पर श्रद्धांजलि, यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर उठाए प्रश्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु की शहादत पर पुराने लखनऊ के शिया बहुल इलाकों में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया और वहां वरिष्ठ शिया धर्मगुरु से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की।उन्होंने कहा कि धर्मगुरु ने आत्मसमर्पण करने के बजाय साहस का मार्ग चुना और उनकी शहादत को नमन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना पर केंद्र सरकार की चुप्पी अत्यंत असहनीय है। यह न केवल सरकार के नैतिक पतन को इंगित करती है, बल्कि उस सांस्कृतिक परंपरा पर भी प्रश्न चिन्ह लगाती है जिसने हमेशा मानवीय मूल्यों और शांति का संदेश फैलाया है।उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के बीच लंबे समय से पुराने और घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जिन्हें वर्तमान सरकार ने अपने कुछ व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के लिए कमजोर कर दिया है।कहा कि इस दुख की घड़ी में वे ईरान समेत विश्व भर के शिया समुदाय के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। इस अवसर पर शिया धर्मगुरु, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता और कांग्रेस के कई सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा को लेने के देन पड़ेगे

क्या भाजपा राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त कराने और जीवन भर चुनाव लड़ने से रोकेगी? ऐसे ही क्या प्रियंका गाधी वाड्रा की भी सदस्यता खत्म कराने की पहल होगी? भाजपा की ओर से पहले राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की चर्चा थी लेकिन उसको पता है कि उसमें पार्टी को शामिल होना होगा। यह भी सवाल था कि अगर सरकार के नीतिगत फैसलों की आलोचना के लिए विपक्ष के किसी सदस्य के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाने लगे तो फिर यह बात बहुत दूर तक चली जाएगी। तभी पार्टी के एक सांसद निशिकांत दुबे की ओर से सबस्टेंसिव मोशन पेश कराया गया।

ध्यान रहे पहले सबस्टेंसिव मोशन पर यूपीए की पहली सरकार ने कई सांसदों की सदस्यता समाप्त की थी। उनके ऊपर पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप लगे थे। बाद में कमीशन लेकर एमपी फंड बेचने के आरोप में भी इस तरह का प्रस्ताव लाया गया। लेकिन राहुल गांधी का मामला अलग है। राहुल एक तो नेता विपक्ष हैं और दूसरे देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के सर्वोच्च नेता हैं। उनके ऊपर जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं उनका कोई बहुत मजबूत आधार नहीं है। फोर्ड फाउंडेशन से संबंध या जॉर्ज सोरोस के साथ संबंध रखना सदस्यता खत्म करने का आधार नहीं हो सकता। तभी ऐसा लग रहा है कि भाजपा सांसद की ओर से पेश किया गया प्रस्ताव का इस्तेमाल राहुल को डराने और दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर है। राइट विंग इकोसिस्टम के लोग यह भी कह रहे हैं कि अगर राहुल की सदस्यता चली जाती है तो प्रियंका गांधी वाड्रा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन जाएंगी। अगर ऐसा होगा तो पार्टी के अंदर पावर सेंटर बदल जाएगा। यानी इस तरह से राहुल से पीछा छूटने की भाजपा के नेता उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि ऐसा होने की संभावना बिल्कुल नहीं है।

वैसे भाजपा नेताओं का एक समूह प्रियंका के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि कांग्रेस और विपक्ष के कई सांसद स्पीकर के चैंबर में चले गए थे। उन्होंने वहां गाली गलौज की। यह भी कहा गया कि विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द कहे। दावा किया जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसकी साजिश रची थी और उनके उकसाने पर ये सांसद स्पीकर के कक्ष में गए थे। इस आधार पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की बात है।

परंतु क्या भाजपा सचमुच ऐसा कर पाएगी? यदि ऐसा किया तो राजनीति पर उसका क्या असर होगा? ध्यान रहे पिछली लोकसभा के कार्यकाल में सूरत में मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा हुई थी। लोकसभा सचिवालय ने तत्काल उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी। उनका तुगलक लेन का बंगला खाली करने को कहा गया। राहुल ने तत्काल बंगला खाली किया। बाद में ऊपरी अदालत ने सजा पर रोक लगा दी तो राहुल की सदस्यता भी बहाल हुई। उसके बाद फिर उनको वही बंगला आवंटित हुआ लेकिन वे उसमें रहने नहीं गए। अंत नतीजा क्या हुआ? बाद में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें 52 से बढ़ कर 99 हो गईं। दो निर्दलीय सांसदों को मिला कर कांग्रेस की संख्या एक सौ पार कर जाती है। यानी एक बार राहुल की सदस्यता रद्द हुई तो कांग्रेस की सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। अब यदि उनकी सदस्यता फिर रद्द होती है या चुनाव लड़ने से रोका जाता है तो क्या कांग्रेस डेढ़ सौ पहुंच जाएगी? पता नहीं, सीटों की संख्या आकलन अभी संभव नहीं है। इतना तय है कि अगर राहुल की सदस्यता खत्म हुई,र उनको चुनाव लड़ने से रोका गया या सदन से भी निलंबित किया गया तो इससे कांग्रेस में नई ऊर्जा लौटेगी। विपक्षी पार्टियों के साथ देश के एक बड़े मतदाता समूह में भाजपा विरोधी नेता के तौर पर राहुल की पोजिशन मजबूत होगी। भाजपा के लेने के देन पड़ेगे।

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया: भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है।

श्री सौरभ गर्ग

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे- जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में 'आपूर्ति एवं उपयोग सारणी के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

टिप्पणी

भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत

बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है।

शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की भारत की विदेश नीति पिछले कुछ दशकों में पूरी तरह से विफल हो गई थी। लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव आ गया था। अब भारत ने नए सिरे से संबंध सुधार के प्रयास शुरू किए हैं। बांग्लादेश के नव निर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए। वे अपने साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चि_ी लेकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उनको भारत आने का न्योता दिया है। यह सिर्फ औपचारिक शिष्टाचार नहीं है, बल्कि यह एक सुविचारित कूटनीतिक पहल भी है। यह पहल दोपक्षीय संबंधों की निरंतरता और उच्च स्तरीय राजनीतिक विश्वास को दिखाता है। दूसरी ओर इसी यात्रा में भारत के विदेश सचिव का बांग्लादेश के प्रमुख विपक्षी नेता और जमात ए इस्लामी के प्रमुख शफीकुर्रहमान से मिलना इस बात का संकेत है कि भारत अपनी नीति को बहुस्तरीय और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ा रहा है। भारत की एक बहुत अच्छी कूटनीतिक पहल यह रही कि किसी केंद्रीय मंत्री को भेजने की बजाय लोकसभा के स्पीकर को शपथ समारोह में भेज गया। यह दो देशों के संबंधों की भावना को रेखांकित करता है। स्पीकर का पद दलीय राजनीति से ऊपर माना जाता है, इसलिए यह संदेश गया कि भारत की प्रतिबद्धता सिर्फ किसी एक दल या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्थागत संबंधों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री का पत्र और भारत आने का निमंत्रण इस बात का संकेत है कि नई सरकार के साथ संवाद को जल्दी से जल्दी और सकारात्मक दिशा में ले जाने की भारत की मंशा है। दूसरी रणनीतिक पहल विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बांग्लादेश के विपक्षी नेता से मुलाकात है। शफीकुर्रहमान, बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी के प्रमुख हैं। जमात को पहली बार बांग्लादेश की तीन सौ सदस्यों की संसद में करीब 70 सदस्यों का प्रतिनिधित्व मिला है। यह एक तरह से उसकी राजनीतिक वैधता है। उनसे मुलाकात कर भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह केवल सत्तारूढ़ दल पर निर्भर रहकर अपनी विदेश नीति नहीं गढ़ता, बल्कि संभावित सत्ता परिवर्तन की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखता है। हालांकि बांग्लादेश में तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को जबरदस्त जनादेश मिला है लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का मसला वहां के समाज से जुड़ा है और उसे सुनिश्चित करने के लिए जमात के नेता के साथ भारत के संबंधों की बेहतरी भी जरूरी है।

बांग्लादेश के साथ भारत की कूटनीति का तीसरा पहलू क्षेत्रीय भू राजनीति से जुड़ा है। बांग्लादेश भारत की पड़ोसी पहले की नीति का मुख्य केंद्र रहा है। कनेक्टिविटी, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सहयोग, जल बंटवारा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की परस्पर निर्भरता गहरी है। हालांकि अभी भारत गंगा जल संधि या ट्रांस शिपमेंट पर लगाई गई रोक को लेकर कुछ नहीं कह रहा है और न शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की बात हो रही है। लेकिन आने वाले दिनों में ये मुद्दे उठेंगे। इन मुद्दों पर सद्भावपूर्ण तरीके से चर्चा हो यह भारत ने अपनी कूटनीतिक पहल से सुनिश्चित किया है। सीमा प्रबंधन और घुसपैठ रोकने में भी भारत को बांग्लादेश के साथ बेहतर समन्वय की जरुरत होगी।

ब्लॉग

पाणिनि से एआई स्टैक तक: दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है: बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी।

पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी: 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है: डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है: नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं।

अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है: लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है: एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है।

पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता-अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया है और यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआई खड़ा है।

यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना है और यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैं: भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा-केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया था: तेज़, बड़े पैमाने पर और संप्रभु डिजाइन के साथ। विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्ट: 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलर की भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगल: अमेरिका-भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलर से संचालित होगी। अमेज़न वेब सर्विसेज़: महाराष्ट्र में 8.3 बिलियन डॉलर। अदानी समूह: 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा-संचालित एआई डेटा केन्द्रों के लिए 100 बिलियन डॉलर। योटा डेटा सर्विसेज़: एनवीडिया के ब्लैकवेल अल्ट्रा चिप्स का उपयोग करके एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में से एक के लिए 2 बिलियन डॉलर से अधिक। लार्सन एंड टुब्रो: एनवीडिया के साथ भारत की सबसे बड़ी गीगावाट-स्केल एआई फैक्ट्री बनाने के लिए प्रस्तावित परियोजना। इंडियाएआई मिशन का राष्ट्रीय कंप्यूट क्लस्टर 38,000 जीपीयू पार कर चुका है और इसे 58,000 तक बढ़ाया जा रहा है, जो स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक लागत के लगभग एक तिहाई पर उपलब्ध है। अगले दो वर्षों में एआई अवसंरचना में 200 अरब डॉलर के निवेश का सरकार का लक्ष्य महज आकांक्षा नहीं है; घोषित प्रतिबद्धताएँ इसे हासिल करने के दायरे में लाती हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 का उद्देश्य इस निवेश को दीर्घकालिक संरचनात्मक लाभ में बदलने का है, जो उन विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे का 2047 तक विस्तार करता है, जो वैश्विक क्लाउड सेवाओं के लिए भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करती हैं तथा एआई और उच्चतम निर्माण स्टार्टअप्स के लिए 1.1 अरब डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड का वचन देती हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, जिसका परिव्यय 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का है, लिथियम, कॉबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं को सुरक्षित करता है, जिन पर एआई और सेमीकंडक्टर का निर्माण निर्भर होता है।

हालाँकि यह सब तब तक मायने नहीं रखता, जब तक यह लोगों तक नहीं पहुँचता। शिखर सम्मेलन के पहले दिन, 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने नवाचार के लिए जिम्मेदार एआई का उपयोग करने की शपथ ली, यह संख्या गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मान्यता के लिए प्रस्तुत की गई है। तीस डेटा और एआई लैब्स स्तर 2 और स्तर 3 के शहरों में काम कर रहे हैं, जो 570-लैब नेटवर्क की योजना का पहला प्रयास है, जबकि एआईकोश 7,500 से अधिक डेटासेट और 273 मॉडलों को साझा सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में पेश करता है। जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत में 16 आईआईटी थे; आज 23 हैं। ओपनएआई के सीईओ ने बताया कि भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसके 100 मिलियन साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। खपत यहाँ है, और उत्पादन क्षमता रफ्तार पकड़ बना रही है: शिखर सम्मेलन में तीन संप्रभु एआई मॉडल पेश किए गए, जिनमें सर्वम एआई का 105-बिलियन-पैरामीटर व्यापक भाषा मॉडल शामिल है, जिसे पूरी तरह भारतीय कंप्यूटिंग और भारतजेन का परम2 पर प्रशिक्षित किया गया है, एक 17-बिलियन-पैरामीटर बहुभाषी मॉडल, जो सभी 22 अनुसूचित भाषाओं का समर्थन करता है। ये विदेशी मॉडलों के अनुकूल किये गये संस्करण नहीं हैं; इन्हें संप्रभु अवसंरचना पर शुरुआत से बनाया गया है।

यह भी जानकारी देने योग्य है कि साझेदारी की संरचना अब कैसे तैयार की जा रही है, क्योंकि अब यह विदेशी तकनीक के लाइसेंस के बारे में नहीं है, बल्कि संप्रभु क्षमता के सह-निर्माण के बारे में है। टाटा समूह की ओपनएआई के साथ रणनीतिक साझेदारी स्टारगेट पहल के तहत 100 मेगावाट एआई-तैयार डेटा सेंटर क्षमता के साथ शुरू होगी और इसका विस्तार एक गीगावाट तक किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय उद्योग, वैश्विक ज्ञान परिदृश्य में मांग पक्ष से आपूर्ति पक्ष की ओर आगे बढ़ रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा पैक्स सिलीका घोषणा पर औपचारिक हस्ताक्षर अमेरिकी-नेतृत्व वाले गठबंधन में देश को एआई, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित रखने वाले देशों में शामिल करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया अन्य सदस्य हैं। इसके साथ ही द्विपक्षीय भारत-अमेरिका एआई अवसर साझेदारी पर हस्ताक्षर किये गये हैं, जो दोनों देशों को महत्वपूर्ण तकनीकों पर नवाचार-प्रवृत्त दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध करती है, जबकि भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष, 2026 एक और आयाम जोड़ता है, जो संयुक्त कौशल विकास और मापनीय परिणामों से संबंधित है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन श्रृंखला की मेजबानी करने वाला पहला वैश्विक दक्षिण देश केवल एक संवाद आयोजित नहीं कर रहा था, बल्कि उसने यह स्पष्ट कर दिया कि वह किन शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना चाहता है: एक दिल्ली घोषणा पत्र, जो एआई शासन के नियमों को फिर से तैयार करता है, डिजिटल अवसंरचना, जो दुनिया में वास्तविक समय पर होने वाले लगभग आधे भुगतानों को संसाधित करती है, सैकड़ों अरबों की निवेश प्रतिबद्धताएं, पूरी तरह से नए सिरे से बनाए गए संप्रभु मॉडल, और एआई युग की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा संरचना में प्रवेश। पाणिनि का सबक कभी जटिल नहीं था। संरचना ही बुद्धिमत्ता है। भारत अब उस संरचना का निर्माण कर रहा है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

पूर्वजों की माटी से जुड़ाव : भालेसुलतान वंशजों ने उमरा पहुंच किया दर्शन–पूजन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पूर्वजों की धरती के प्रति श्रद्धा और गहरा जुड़ाव सोमवार को उस समय देखने को मिला, जब प्रयागराज जनपद की तहसील सोरांव क्षेत्र के ग्राम पूरब नारा, पश्चिम नारा व मुदपुर से जुड़े क्षत्रिय भालेसुलतान वंशज बल्दीराय तहसील अंतर्गत उमरा गांव पहुंचे।बताया गया कि उनके पूर्वज पौली ग्राम से अपरिहार्य कारणों से सोरांव क्षेत्र में जाकर बस गए थे। पीढ़ियों बाद भी अपने मूल स्थान के प्रति आस्था और लगाव बना रहा। इसी भावना से शिव प्रताप सिंह, उनके सुपुत्र शुभम सिंह एडवोकेट हाईकोर्ट इलाहाबाद, मुन्नू सिंह प्रधान,दिनेश सिंह, शक्ति सिंह, मगनदीप सिंह सहित अन्य परिजन उमरा पहुंचे।वंशजों ने सर्वप्रथम अमर शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ऋषि वाटिका में पहुंचकर अवधेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में भैरों साहेब के दर्शन किए। तत्पश्चात भालेसुलतान कुलदेवी बैकुंठी देवी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उमरा निवासी ओंकार सिंह विभाकर ने अपने आवास पर सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सुरेंद्र बहादुर सिंह, शिव शंकर सिंह, वरुण प्रकाश सिंह,केडी तिवारी व कृतंजय सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान पूर्वजों की स्मृतियों को साझा करते हुए पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया गया।

एनएसएस से सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है: बाल चंद्र सिंह

राणा प्रताप पीजी कॉलेज में एनएसएस के सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। राणा प्रताप पीजी कॉलेज सुलतानपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की तीनों इकाइयों द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों तथा गणमान्य अतिथियों की सक्रिय उपस्थिति रही।

समारोह के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के अध्यक्ष संजय सिंह एडवोकेट ने अपने संबोधन में जीवन के चार पुरुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की विस्तार से व्याख्या करते हुए विद्यार्थियों को संतुलित, नैतिक एवं सेवा भाव से युक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक

कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की सशक्त पाठशाला है, जो युवाओं को समाज के प्रति जिम्मेदार बनाती है। महाविद्यालय के प्रबंधक बाल चंद्र सिंह ने कहा कि एनएसएस शिविर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज के वंचित वर्गों के उत्थान हेतु निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। राणा प्रताप विधि महाविद्यालय के प्रबंधक योगेश सिंह ने युवाओं की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.के. त्रिपाठी ने जीवन में अनुशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए शिविरार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रमाधिकारी वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने शिविर की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का मुख्य लक्ष्य सेवा, संस्कार एवं सामाजिक समरसता की भावना को विकसित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत स्वयंसेविका संजना यादव द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई, जबकि शिविरार्थियों के सामूहिक भक्ति गीतों ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। स्वयंसेविका तान्या गुप्ता ने शिविर के अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम ने उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल का विकास किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रभात श्रीवास्तव एवं स्वयंसेविका संजना यादव ने संयुक्त रूप से किया, जबकि आभार ज्ञापन कार्यक्रमाधिकारी डॉ. विभा सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सभासद रमेश सिंह 'टिन्नू', महाविद्यालय के प्राध्यापक-प्राध्यापिकाएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्यार, धोखा और कत्ल : प्रेमी को बुलाया, फिर भाई–भाभी और पति के साथ मिलकर मार डाला, चेहरे पर इसलिए डाला तेजाब

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। बलिया के रसड़ा कोतवाली के चिलकहर नत्थोपुर लोहटा मार्ग पर मिले अज्ञात युवक के शव की शिनाख्त 19 दिन बाद हो गई। वह आजमगढ़ निवासी पंकज गुप्ता था।

प्रेमिका ने पति, भाई-भाभी सहित पांच लोगों के साथ मिलकर हत्या कर शव के चेहरे पर तेजाब डालकर खेत में फेंका था। पुलिस लाइन सभागार में रविवार को एसपी ओमवीर सिंह ने हत्या का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि युवक की शिनाख्त पंकज गुप्ता (30) निवासी लाहीडीह थाना फूलपुर, आजमगढ़ के रूप में हुई है।

पंकज को आजमगढ़ से बुलाकर प्रेमिका रेखा व उसके भाई-भाई सहित पांच रिश्तेदारों ने हत्या कर शव खेत में फेंक दिया था। शव की शिनाख्त न हो इसके लिए चेहरे पर तेजाब डालकर जला दिया था। स्वाट/सर्विलांस व रसड़ा कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम के प्रयास से

हत्या का खुलासा हुआ।

तीन अभियुक्तों विजयपाल सिंह उसकी पत्नी अंजनी सिंह और साले मनीष सिंह को गिरफ्तार किया गया है। निशानदेही पर युवक का मोबाइल फोन, तेजाब की दो खाली बोतल, घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि हत्या के पीछे प्रेम संबंध का मामला है। पंकज गुप्ता के बगल के गांव सिकहुला थाना सरायमीर निवासी विजय पाल सिंह की बहन रेखा सिंह से गहरे संबंध थे।

कुछ आपत्तिजनक फोटो व वीडियो पंकज के पास थे। पंकज आए दिन रेखा पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अनावश्यक दबाव बनाता था। इससे तंग आकर रेखा ने पति अरुण सोनी निवासी नियाऊज थाना फूलपुर व भाभी अंजनी सिंह पत्नी विजय पाल सिंह को ये बात बताई।

इसी बीच पांच फरवरी को भाभी अंजनी सिंह के मायके चिलकहर थाना गड़वार में छोटी बहन की शादी थी। शादी में विजय पाल सिंह, अंजनी सिंह, विजय पाल की बहन रेखा सिंह व पति अरुण सोनी आए हुए थे। चारों ने इस समस्या के संबंध में अंजनी सिंह के भाई मनीष सिंह से बात की। सबने मिलकर योजना बनाई।

रेखा ने सात फरवरी को पंकज गुप्ता को मिलने के बहाने रसड़ा बुलाया। पांचों ने मिलकर हत्या कर दी। युवक के बैग व कुछ कपड़ों को वहीं पर जला दिया तथा मोबाइल को कुछ दूरी पर फेंक दिया। अज्ञात शव मिलने के बाद पुलिस के काफी प्रयास के बावजूद शिनाख्त न होने पर निर्धारित समय के बाद शव का पोस्टमार्टम के बाद दाह संस्कार कर दिया गया।

सर्विलांस से अंतिम लोकेशन मिली रसड़ा तो पहुंची आजमगढ़ पुलिस

पंकज गुप्ता की बहन की शादी 24 फरवरी को थी। इस बीच पंकज के लापता होने व मोबाइल ऑफ होने पर परिजनों ने खोजबीन के बाद गुमशुदगी फुलपुर थाने में दर्ज कराई। पुलिस को सर्विलांस से पंकज की अंतिम लोकेशन रसड़ा स्टेशन के पास मिली।

इसके बाद रसड़ा पुलिस की मदद ली तो अज्ञात शव मिला। हुलिया मिल रहा था। परिजनों ने फोटो व कपड़ों से शिनाख्त की। एसपी ने कहा कि जांच के दौरान मिले साक्ष्यों को जोड़ने पर प्रेमिका रेखा के भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की तो हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस ने तीन अभियुक्त विजय पाल सिंह, पत्नी अंजनी सिंह व साले मनीष सिंह को गिरफ्तार किया। दो अन्य आरोपी प्रेमिका रेखा सिंह और उसके पति अरुण सोनी की तलाश की जा रही है। पता चला है कि दोनों मध्यप्रदेश भागे हुए हैं। एसपी ने घटना का खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार का इनाम घोषित किया।

उन्नाव में एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस, तीन यात्रियों की मौत, 31 घायल

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सिरधरपुर और देवखरी गांव के पास मथुरा और आगर डिपो की दो रोडवेज बसें एक ही ट्रक में भीड़ गईं। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि दोनों बसों के 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बांगरमऊ सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों घटनाएं चालक को झपकी आने से बताई जा रही हैं।

एक्सप्रेसवे पर रविवार रात 12 बजे एक ट्रक किलोमीटर संख्या 226 सिरधरपुर गांव के सामने सड़क घेरकर खड़ा था। रात करीब 12 आगरा फोर्ट की बस खड़े ट्रक में पीछे से भिड़ गई। हादसे में 14 सवारी घायल हो गईं। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांच एंबुलेंस से सभी घायलों को बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया साथ ही हाइड्रा मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का प्रयास

शुरू किया। पुलिस रोडवेज बस हटवाने के बाद रात्रि 2:30 बजे क्षतिग्रस्त ट्रक को प्रीतमपुरा चौकी ले जाया जा रहा था, तभी आगरा फोर्ट की ही दूसरी रोडवेज बस इस ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में तीन सवारियों की मौत हो गई उसमें बैठी 17 सवारियां घायल हो गईं। फिर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को स्वास्थ्य केंद्र लाई। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बसों के घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मृतकों की पहचान न होने पर शव पोस्टमार्टम हाउस में रखवाए गए हैं। कोतवाल अखिलेशचंद्र पांडेय ने बताया कि ट्रक सड़क के किनारे खड़ा था। दोनों बसों में 31 सवारियां घायल हुई हैं। तीन की मौत हुई है। शवों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

दुल्हेंडी पर नमो भारत और मेट्रो ट्रेन के समय में बदलाव, जान लें कितने बजे से होगा संचालन

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। होली के रंगोत्सव को ध्यान में रखते हुए 4 मार्च को नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सेवाएं नियमित समय से कुछ घंटे देरी से शुरू होंगी। यात्रियों की सुविधा और त्योहार के उल्लास को बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

एनसीआरटीसी (NCRTC) द्वारा जारी सूचना के अनुसार, दुल्हेंडी के दिन यानी 4 मार्च को नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सेवाएं सुबह 6 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक निलंबित रहेंगी। यह निर्णय होली के त्योहार के दौरान होने वाले रंग खेलने के कार्यक्रम को देखते हुए लिया गया है। पूरे दिन रंगोत्सव के माहौल के कारण, इन मेट्रो सेवाओं को शाम 5 बजे से पुनः शुरू किया जाएगा और यह रात 10 बजे तक जारी रहेंगी।

सामान्य संचालन समय में बदलाव नहीं

हालांकि, होली के दिन सेवाओं में यह अस्थायी विलंब किया गया है, लेकिन यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो सेवाओं के सामान्य संचालन समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अब नमो भारत और मेरठ मेट्रो सेवाएं प्रतिदिन, यानी सोमवार से रविवार तक सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक नियमित रूप से संचालित होंगी। इसमें रविवार का दिन भी शामिल है, जिससे सप्ताहांत पर यात्रा करने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

यात्रियों से सहयोग की अपील

एनसीआरटीसी ने यात्रियों से इस अस्थायी परिवर्तन के संबंध में सहयोग की अपेक्षा की है और उन्हें सूचित किया है कि वे शाम 5 बजे के बाद ही मेट्रो स्टेशनों पर अपनी यात्रा की योजना बनाएं। यह कदम त्योहार के उल्लास को बनाए रखने और साथ ही यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बजारों में विभिन्न प्रकार की पिचकारियां लुभा रही

जौनपुर। होली के त्योहार के लिए बाजार सज गए हैं। विभिन्न प्रकार के मुखौटे और फरसे वाली पिचकारी बच्चों व बड़ों के बीच खूब पसंद की जा रही है। इसके साथ ही क्रिकेट खिलाड़ी के अलावा भालू, बंदर, राक्षस, छोटा भीम जैसे किरदारों के मास्क और कई फिल्मी कलाकारों के विग भी दुकानों पर उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं।नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक के बाजारों में रंग, गुलाल, पिचकारी, टोपी और मुखौटों की दुकानें सज गई हैं।जगह-जगह होली के गीत सुनाई दे रहे हैं, जिससे पर्व का माहौल बन गया है। शहर के कोतवाली चैराहा, पालिकेर रोड, पॉलीटेक्निक चैराहा और ओलंदगंज फलवाली गली सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर होली का बाजार गुलजार है। बाजार में मोर वाले विग की भी काफी मांग है, जिनकी कीमत 80 रुपये से लेकर 300 रुपये तक है। इसके अतिरिक्त, चाइनीज गन वाली पिचकारी भी बेची जा रही है।

जायदाद के लिए जल्लाद बना बेटा : होली से पहले खून से रंग दिया आंगन, मां–बाप, दादी व बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। हिंदी भाषा में एक कहावत है 'पाल-पाल, मैं होउंगा तुझको काल'। यानी तुम मुझे पालो और मैं तुम्हारे लिए ही काल बनूंगा। यह कहावत रविवार की आधी रात करीब 1:30 बजे उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में चरितार्थ होते दिखी। यहां माता-पिता ने जिस बेटे को पाल-पोसकर बड़ा किया, उसी ने उन्हें कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया।

सिर्फ माता-पिता ही नहीं दादी और बहन को भी काट डाला। बचाव में आए भाई पर हमला किया। वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। इस संघर्ष में हमलावर भाई भी घायल हुआ है। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर बेटे को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर किया गया है।

घटना रुपईडीहा थाना क्षेत्र के

रामनगर गांव की है। गांव निवासी निरंकार ने अपनी दादी शीतला देवी (82), पिता बदलूराम (62), मां संजू देवी (60) तथा बहन पार्वती (35) को मौत के घाट उतार दिया। बचाव करने आए भाई गुरुदेव पर भी हमला किया। इससे वह घायल है।

ग्रामीणों ने बताया कि परिवार में पिछले कुछ समय से तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बंटवारे को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। हालांकि, पुलिस ने किसी भी अटकल से बचने की अपील की है। उनका कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। घर के भीतर खून के निशान और टूटी-फूटी वस्तुएं बिखरी मिली हैं। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी घर के बाहर से बरामद की गई है। एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है।

बेटे ने मां-बाप को कुल्हाड़ी से काटा, रोकने पर बहन-दादी की भी हत्या, पत्नी के छोड़ने के बाद था विक्षिप्त

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। बहराइच के रुपईडीहा के रामनगर गांव में रविवार रात करीब 1:30 बजे पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। संपत्ति के मामले को लेकर शुरू हुई कहासुनी के दौरान पुत्र ने कुल्हाड़ी से हमला कर माता-पिता, दादी और बहन को मौत के घाट उतार दिया। चीख पुकार सुनकर पहुंचे बड़े भाई ने विरोध किया तो उस पर भी छोटे भाई ने हमला कर घायल कर दिया। संघर्ष में हमलावर भाई भी घायल हुआ है।

ग्रामीणों की सूचना पर चौकी प्रभारी बाबागंज शिवेश कुमार शुक्ला व 112 पुलिस टीम रात में ही मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने दादी शीतला देवी (82), पिता बदलूराम (62), मां संजू देवी (60) तथा

बहन पार्वती (35) को मृत घोषित कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल गुरुदेव (33) तथा निरंकार (27) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। निरंकार की हालत नाजुक देखते हुए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजा गया है।

भोर में ही थाना प्रभारी आरएस रावत, क्षेत्राधिकारी पहुप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी तथा पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि हर पहलू से जांच की जा रही है।

फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घर के भीतर खून के निशान और टूटी-फूटी वस्तुएं बिखरी मिलीं। घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी घर के बाहर से बरामद की गई है। एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार परिवार में पिछले कुछ समय से तनाव की स्थिति बनी हुई थी और बंटवारे को लेकर अक्सर विवाद होते रहते थे। हालांकि पुलिस ने किसी भी अटकल से बचने की अपील करते हुए कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। पारिवारिक कलह को लेकर हुई चार हत्याओं के बाद एकमात्र सदस्य गुरुदेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरदा में भर्ती हैं। जबकि उनका हमलावर छोटा भाई निरंकार ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को गुरुदेव ने बताया कि बीते 4 साल से निरंकार संपत्ति के मामले को लेकर पिता पर आरोप मढ़ता रहता था। किसी न किसी बहाने आए दिन मारपीट करता रहता था। 4 साल पूर्व उसकी पत्नी भी इसी कलह के चलते छोड़कर चली गई थी। पत्नी के छोड़कर जाने के बाद से निरंकार और निरंकुश हो गया। बात-बात पर परिजनों को पीटना उसका शगल बन गया। गुरुदेव का कहना है कि रात में 1:00 बजे के आसपास निरंकार ने संपत्ति के मामले को लेकर फिर पिता पर अनर्गल आरोप लगाने शुरू किया इसके बाद परिजनों में कहासुनी हुई कहासुनी के दौरान ही उसने घर के कोने में रखी कुल्हाड़ी से एक-एक कर सभी पर हमला कर दिया इसके बाद कुल्हाड़ी लेकर बाहर निकला। बहराइच में जायदाद के लिए जल्लाद बना बेटा, मां-बाप, दादी व बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

गुरुदेव के मुताबिक वह घर के बाहर मौजूद थे और चीख पुकार सुनकर घर के अंदर जा ही रहे थे तभी निरंकार से सामना हो गया। निरंकार ने उसे पर भी कुल्हाड़ी से हमला किया गुरुदेव के संघर्ष करने पर निरंकार ने कुल्हाड़ी छोड़ दी और पास में पड़ी ईंट उठाकर अपने सिर पर प्रहार करने लगा। संघर्ष और खुद के सिर पर ईंट के प्रहार से ही निरंकार घायल हुआ है।

जगह जगह हुये होलिका कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। रंगों का पर्व होली की शुरूआत वैसे तो होलाष्टक से षुरू हो गया लेकिन परम्परा के अनुसार सोमवार को जगह जगह रेड का पेड़ गाड़कर होलिका दहन कार्यक्रम की भी शुरूआत हुआ। मान्यता के अनुसार होलिका दहन कार्यक्रम बसंत पंचमी के दिन से ही शुरू हातो है जिसके चलते खाली जगहों पर उसी दिन रेड का पेड़ गाड़ दिया जाता है लेकिन आवागमन के चलते अधिकांश जगहों पर होली के एक दिन पहले यह कार्यक्रम होता है। इस बार होली, होलिका दहन और चंद्र ग्रहण एक साथ खास संयोग बना रहे हैं। मान्य पंचांगों और पारम्परिक ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार सोमवार को होलिका का कार्यक्रम किया गया।जानकारों की मानें तो 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण लग रहा है जिसके चलते सूतक काल, पूजा-विधि, स्नान-दान और मंदिरों के नियमों को लेकर उत्सुकता और बढ़ गयी है। वहीं रंगों वाली होली 4 मार्च को मनायी जायेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलिका दहन पूर्णिमा तिथि और भद्रा की समाप्ति के बाद किया जाता है लेकिन अगर भद्रा समाप्त न हो तो भद्रा के शुभ हिस्से में ही करना उचित माना जाता है। इस वर्ष भद्रा का समय विशेष चर्चा में है, क्योंकि दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा के पुच्छ काल में पड़ रहा है। फिलहाल 4 मार्च को पड़ने वाली होली के एक दिन पहले यानी मंगलवार को चन्द्रग्रहण के चलते सोमवार को जगह जगह होलिका का आयोजन किया गया। नगर के मोहल्ला ओलन्दगंज, जोगियापुर, शेखपुरा, अम्बेडकर तिराहा, लाइन बाजार, पालिटेक्निक चैराहा, रूहट्टा, मछलीशहर पड़ाव, गूलर घाट, गोपी घाट, विसर्जन घाट, बदलापुर पड़ाव, चहारसू चैराहा, कोतवाली चैराहा, सब्जी मण्डी, भण्डारी, सिपाह, रासमण्डल, मानिक चैक सहित तमाम जगहों पर होलिका कार्यक्रम किया गया।

रंगों के त्योहार होली पर ऐसे रखें आंखों का ख्याल, ये टिप्स आएंगे काम

होली पर सिर्फ मस्ती करना और रंग लगाना ही नहीं होता है। बल्कि खुद की देखभाल और सुरक्षा करना भी जरूरी है। होली पर आने वाले केमिकल वाले रंगों से लोग बालों और त्वचा को तो बचा लेते हैं। लेकिन आंखों को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में चलिए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं होली पर आंखों का ख्याल कैसे रख सकते हैं।

होली रंगों, खुशियों और अपनापन बांटने का त्योहार है। इस बार ये फेस्टिवल 4 मार्च को मनाया जाएगा। देशभर में होली की धूम देखने को मिलती है। हर तरफ गुजिया, मालपुआ और गुलाल नजर आता है। होली पर गुलाल खूब खेला जाता है। कई गुलाल और रंग में केमिकल पाया जाता है, जो त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। यही वजह है कि लोग अपने बालों और स्किन को गुलाल से बचाने की कोशिश करते हैं। लेकिन सिर्फ बाल या स्किन ही नहीं बल्कि आंखों को भी गुलाल से नुकसान पहुंच सकता है। आंखें हमारी शरीर का सबसे सेंसिटिव हिस्सा माना जाता है। ऐसे में इसकी देखभाल करना भी जरूरी है।

क्योंकि अगर केमिकल वाले रंग आंखों में चले जाएं तो जलन, लालिमा, खुजली, पानी आना और कभी-कभी संक्रमण तक की समस्या पैदा कर सकते हैं। ऐसे में चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि होली पर आप अपनी आंखों को केमिकल वाले रंगों से कैसे बचा सकते हैं।

होली खेलने के लिए आंखों को करें तैयार

होली खेलते हुए गुलाल और रंग खूब उड़ाया जाता है। जो बालों से लेकर आंखों में जा सकता है। इन रंगों से आंखों को बचाने के लिए आप आंखों को पहले ही तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपनी आइज के आजपास नारियल तेल या बादाल तेल लगाना है। ये आंखों के लिए सुरक्षा कवच का काम करेगा। दरअसल, तेल लगाने से रंग सीधे आंखों में जाने से बचता है।

चश्मा या सनग्लास पहनना न भूलें

होली खेलते समय ट्रांसपेरेंट गॉगल्स या सनग्लास पहनना एक स्मार्ट आइडिया हो सकता है। इससे आंखों में रंग, पानी और गुलाल जाने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। साथ ही सनग्लास पहनकर आपका लुक भी इंहेस हो जाएगा।

रंग आंखों में चले जाएं तो रगड़ें नहीं

अगर गलती से आंखों में रंग चला जाए तो घबराने की जरूरत नहीं है। आंखों को रगड़ने की बजाय आपको साफ पानी से आंखों को धोना है। इसके अलावा आप डॉक्टर द्वारा रिकमेंडेड आई ड्रॉप्स भी डाल सकते हैं। अगर ज्यादा दिक्कत लगे को तुरंत आई डॉक्टर से चेकअप कराएं।

कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर होली खेलने से बचें

अगर आप कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं या होली पर अपने लुक को इंहेंस करने के लिए लेंस पहनना का सोच रही हैं तो इस आइडिया को ड्रॉप कर दें। लेंस लगाकर होली खेलना खतरनाक साबित हो सकता है। क्योंकि अगर लेंस पर रंग गिर गया तो ये आंखों में फंस सकता है और आंखों में जलन तक पैदा कर सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप चश्मा लगाकर ही होली खेलें।

केमिकल वाले रंगों से बनाएं दूरी

सस्ते और चटक रंगों में केमिकल, माइका या कांच का बारीक पाउडर हो सकता है, जो आंखों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए होली पर हमेशा हर्बल या नेचुरल रंगों का ही इस्तेमाल करें। ये रंग न सिर्फ आंखों को बचाएंगे बल्कि स्किन और बालों को भी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

मौसम बदलने के साथ ही लोग अपने घरों में लगे एसी की सफाई कराने के लिए मैकेनिक बुलाते हैं। अगर आपको भी एसी की सफाई करानी है तो अपने मैकेनिक से 5 सवाल अवश्य पूछें।

मैकेनिक आया है एसी की सर्विसिंग करने तो उससे अवश्य पूछें ये 5 सवाल

मौसम बदलते ही घरों और ऑफिसों में लगे एसी की सफाई करना जरूरी हो जाता है। सर्दी के मौसे में एसी काफी समय तक बंद रहता है, जिस वजह से इसके कई पार्ट्स दिक्कत पैदा कर सकते हैं। ऐसे में लोग गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग अपने एसी की सर्विस कराते हैं। कई लोग केवल फिल्टर की सफाई तक सीमित रह जाते हैं, जबकि सही सफाई में कंडेंसर, इवापोरेटर और ड्रेनेज लाइन की जांच भी शामिल होती है।

एसी की नियमित सर्विस न करने से बिजली का बिल बढ़ सकता है और मशीन जल्दी खराब भी हो सकती है। इसलिए जब आप मैकेनिक बुलाएं तो सिर्फ सफाई कर देने पर संतुष्ट न हों, बल्कि सही सवाल पूछकर ये सुनिश्चित करें कि आपका एसी सुरक्षित और प्रभावी तरीके से काम करे।

यहां इस लेख में हम आपको पांच सवालों की लिस्ट बताएंगे, जिसे आपको एसी मैकेनिक से अवश्य पूछना चाहिए। हम आपको इसकी वजह भी बताएंगे कि कि आपको आखिर ये सवाल क्यों पूछने चाहिए।

सवाल- फिल्टर और कंडेंसर की सफाई कैसे होगी?

वजह- मैकेनिक से पूछें कि एयर फिल्टर, कंडेंसर और इवापोरेटर कॉइल को पूरी तरह साफ किया जाएगा या नहीं। उनसे ये भी पूछें कि किस तरह से ब्रश से सफाई की जाएगी, क्योंकि गंदगी हटाने के लिए विशेष ब्रश और एयर ब्लोअर का उपयोग करना चाहिए, जिससे मशीन की एफिशिएंसी बनी रहे।

सवाल- सर्विसिंग के दौरान एसी गैस का स्तर चेक किया जाएगा या नहीं?

जवाब- साफ-सफाई के दौरान गैस की जांच जरूरी है। अगर गैस का स्तर कम है या लीकेज है, तो मशीन पर्याप्त ठंडा नहीं करेगी। मैकेनिक को रिफिल या लीकेज रिपेयर की तैयारी करनी चाहिए।

सवाल- ड्रेनेज लाइन और वाटर टैंक साफ होंगे?

वजह- एसी के अंदर से पानी बाहर निकलने के लिए ड्रेनेज पाइप और टैंक को साफ करना जरूरी है। जाम होने पर पानी टपक सकता है और बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं।

सवाल- सर्विसिंग के दौरान इलेक्ट्रिकल कनेक्शन और वायरिंग चेक होंगे?

वजह- सर्विस के दौरान एसी के इलेक्ट्रिकल पार्ट्स जैसे वायरिंग, सॉकेट और स्विच की जांच करें। खराब वायरिंग से शॉर्ट सर्किट या फ्यूज उड़ने का खतरा होता है।

सवाल- किसी पार्ट की रिप्लेसमेंट की जरूरत है?

वजह- ये सवाल सबसे अहम है। मैकेनिक से पूछें कि सफाई के दौरान कोई टूट-फूट या खराबी दिखी तो कौन से पार्ट बदलने होंगे। समय पर पार्ट बदलने से मशीन की लाइफ लंबी होती है और भविष्य में ज्यादा खर्च नहीं आता।

स्टेज बाय स्टेज समझिए लिवर कैंसर का खतरा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता की स्टेज–4 कैंसर से मौत

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार (27 फरवरी) सुबह ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह लिवर कैंसर का शिकार थे और स्टेप-4 कैंसर से जूझ रहे थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में उनकी हालत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें 21 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था और आज सुबह उन्होंने आखिरी सांस ली।

लिवर कैंसर एक जानलेवा बीमारी मानी जाती है, इसमें लिवर में कैंसर युक्त ट्यूमर हो जाता है। कैंसर का स्टेज बढ़ने के साथ कैंसर की कोशिकाएं शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैलने लग जाती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एक बार कैंसर के बढ़ने और दूसरे हिस्सों में फैलने के बाद इसका इलाज करना और रोगी की जान बचा पाना कठिन हो जाता है, इसलिए शुरुआती स्थितियों में ही बीमारी का पता लगाकर इसका इलाज करना जरूरी हो जाता है।

रिंकू सिंह के पिता की मौत स्टेज-4 लिवर कैंसर से हुई है। अब आपके मन में भी सवाल होगा कि स्टेज-4 का क्या मतलब है और लिवर का कैंसर धीरे-धीरे कैसे बढ़ता जाता है? आइए स्टेज बाय स्टेज लिवर कैंसर के चरणों को समझते हैं।

पहले लिवर कैंसर के बारे में जानिए

लिवर कैंसर वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा बोझ है। वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में इसके 8.66 लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए थे। यह दुनिया भर में छठा सबसे आम कैंसर है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है। पुरुषों में इसके मामले (प्रति एक लाख में 12.7 केस) जबकि महिलाओं में (प्रति एक लाख में 4.8 मामले) रिपोर्ट किए गए।

लिवर कैंसर, आपके लिवर की कोशिकाओं में शुरू होता है।

लिवर में कई तरह के कैंसर हो सकते हैं। लिवर कैंसर का सबसे आम टाइप हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा है, जो लिवर के मुख्य सेल (हेपेटोसाइट) में शुरू होता है।

कैंसर शरीर के किसी दूसरे हिस्से जैसे कोलन, फेफड़े या ब्रेस्ट में भी फैल सकता है।

लिवर में ये कैंसर चरणबद्ध तरीके से बढ़ता जाता है। जितने आगे का चरण उतना ही अधिक खतरा।

लिवर कैंसर मुख्यरूप से चार चरणों में होता है।

स्टेज 1 से स्टेज 4 तक के लिवर कैंसर को समझिए

लिवर में कैंसर मुख्यरूप से 4 स्टेज में बढ़ता है।

स्टेज 1: इसमें लिवर में ट्यूमर का पता चलता है, जिसे जांच में कैंसर वाला पाया जाता है। इस स्टेज में कैंसर आस-पास कोशिकाओं या ब्लड वेसल में नहीं फैला होता है।

स्टेज 2: इसमें लिवर ट्यूमर का आकार बढ़ सकता है कैंसर आस-पास की ब्लड वेसल में फैल गया होता है। लिवर में एक से ज्यादा ट्यूमर हो सकते हैं, लेकिन इस स्टेज में कोई भी आमतौर पर 5 सेंटीमीटर से बड़ा नहीं है।

स्टेज 3: स्टेज 3 का लिवर कैंसर पहले तुलना में थोड़ा और फैल चुका होता है।

5 से.मी से बड़े और एक से ज्यादा ट्यूमर हो सकते हैं या ट्यूमर आस-पास की ब्लड वेसल की किसी बड़ी ब्रांच में फैल गया होता है।

किसी भी साइज के एक या ज्या दा ट्यूमर आस-पास के अंगों में फैल गए होते हैं।

लिवर ट्यूमर आस-पास के लिम्फ नोड्स को भी प्रभावित कर रहे होते हैं।

स्टेज 4: लिवर कैंसर शरीर के दूसरे हिस्सों जैसे हड्डियों या फेफड़ों में फैल गया होता है। ये आस-पास के लिम्फ नोड्स और या ब्लड वेसल में भी पाया जा सकता है। यहां से कैंसर को नियंत्रित कर पाना कठिन हो जाता है। स्टेज-4 का कैंसर घातक हो सकता है।

लिवर कैंसर का बढ़ता खतरा

लिवर कैंसर का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। शराब पीने को लिवर की बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। हालांकि मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि जो लोग शराब नहीं पीते उनमें भी फैटी लिवर जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं जिसका समय पर इलाज न किया जाए तो लिवर सिरोसिस और कैंसर हो सकता है।

हाल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने एक्टर दीपिका कक्कड़ के स्टेज-2 लिवर कैंसर के बारे में जानकारी दी थी। ट्यूमर के इलाज के बाद हाल ही में उन्हें स्टमक सिस्ट भी हो गया है।

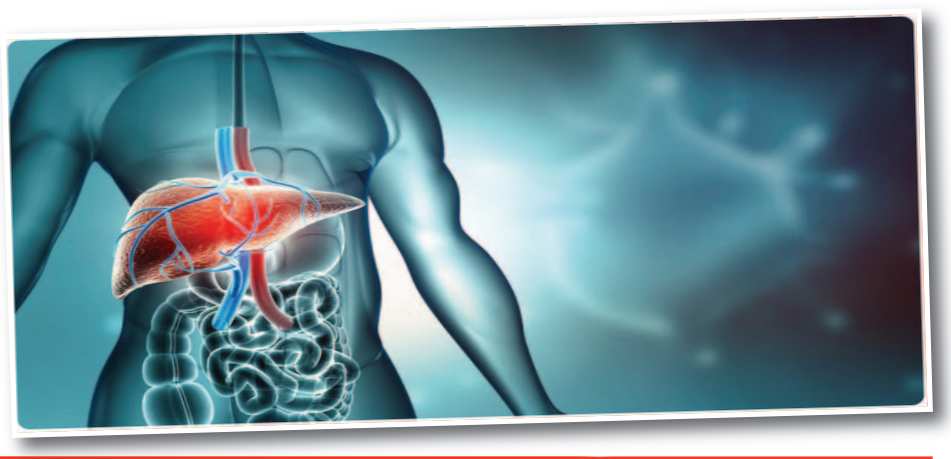

नए आयकर ड्राफ्ट नियम तैयार, एचआरए क्लेम के लिए बताना होगा मकान मालिक से रिश्ता

नए इनकम टैक्स एक्ट 2025 के ड्राफ्ट नियम जारी किए गए हैं। इन नियमों के अनुसार अब एचआरए की राशि का दावा करने के लिए मकान मालिक से रिश्ता बताना जरूरी होगा। कंपनियों के टैक्स ऑडिट और पैन नियमों में भी बदलाव की बात कही गई है।

सरकार ने नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत ड्राफ्ट नियम और फॉर्म जारी कर दिए हैं, जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभाव में आएंगे। छह दशक पुराने कानून की जगह लेने वाले इस नए अधिनियम में कर चोरी रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई कड़े प्रावधान किए गए हैं। इन नए फॉर्म्स में नौकरीपेशा लोगों के लिए मकान किराया भत्ता (एचआरए) क्लेम करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया गया है, वहीं कंपनियों और उनके ऑडिटर्स की विदेशी आय और ऑडिट रिपोर्टिंग पर जवाबदेही भी काफी बढ़ा दी गई है।

एचआरए क्लेम में फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

फर्जी रेंटल क्लेम को रोकने के लिए सरकार ने नया 'फॉर्म 124' पेश किया है। इसके तहत अब करदाताओं को नियोक्ता के पास एचआरए छूट का दावा करते समय यह अनिवार्य रूप से बताना होगा कि मकान मालिक के साथ उनका क्या रिश्ता है। नांगिया ग्लोबल एडवाइजर्स के पार्टनर संदीप झुनझुनवाला के अनुसार, इस नए नियम से बिना स्वामित्व या वास्तविक भुगतान के किए जाने वाले कृत्रिम और फर्जी दावों की सटीक पहचान हो सकेगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें खारिज किया जा सकेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था से वास्तविक किराएदारों के हितों की पूरी तरह से रक्षा होगी।

कंपनियों और ऑडिटर्स की बढ़ी जिम्मेदारी

कॉर्पोरेट टैक्स अनुपालन को सख्त बनाते हुए नए टैक्स ऑडिट 'फॉर्म 26' में भी अहम बदलाव किए गए हैं। अब कंपनियों के लिए यह खुलासा करना अनिवार्य कर दिया गया है कि क्या वैधानिक ऑडिटर की किसी प्रतिकूल टिप्पणी, योग्यता या आपत्ति का कंपनी की आय, नुकसान या बुक प्रॉफिट पर कोई प्रभाव पड़ रहा है। झुनझुनवाला ने बताया कि कंपनियों को अब अपनी इनकम टैक्स रिटर्न फाइनल करने से पहले किसी भी ऑडिट टिप्पणी के टैक्स प्रभाव का बारीकी से आकलन करना होगा और भविष्य के मुकदमों से बचने के लिए स्पष्ट दस्तावेज बनाए रखने होंगे।

इसके साथ ही, विदेशी आय पर टैक्स क्रेडिट (एफटीसी) प्रस्तावित फॉर्म 44 के जरिए एकाउंटेंट्स और ऑडिटर्स की जिम्मेदारी बढ़ाई गई है। एकाउंटेंट्स को अब विदेशी टैक्स सर्टिफिकेट, भुगतान प्रमाण, एक्सचेंज रेट रूपांतरण और ट्रीटी पात्रता शर्तों की स्वतंत्र रूप से जांच करनी होगी। झुनझुनवाला के मुताबिक, यह प्रावधान उन मामलों में ऑडिटर्स के लिए बड़ी चुनौती पैदा करेगा जहां विदेशी क्षेत्राधिकार बिना स्पष्ट ब्रेकअप के समेकित टैक्स स्टेटमेंट जारी करते हैं।

पैन डुप्लीकेशन और डेटा स्टोरेज पर सख्ती

डेटाबेस की अखंडता बनाए रखने और पहचान में हेरफेर रोकने के लिए, कंपनियों को अब पैन आवेदन करते समय यह घोषणा करनी होगी कि उनके पास पहले से कोई पैन मौजूद नहीं है। डुप्लीकेट आवेदनों से बचने के लिए संस्थाओं को आवेदन से पहले अपनी शाखाओं या पूर्ववर्ती संस्थाओं की आंतरिक जांच करनी होगी। इसके अलावा, टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में अब कंपनियों को अपने एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर, क्लाउड स्टोरेज (आईपी एड्रेस और देश सहित) के साथ-साथ भारत में स्थित फिजिकल बैकअप सर्वर का पूरा पता देना भी अनिवार्य होगा।

सरकार हितधारकों के परामर्श के बाद अगले महीने इन ड्राफ्ट नियमों और फॉर्म्स को अंतिम रूप देकर अधिसूचित करेगी। यह साफ है कि नई कर व्यवस्था अधिक डेटा-संचालित होगी, इसमें फर्जी दावों की गुंजाइश कम होगी और संस्थागत जवाबदेही का स्तर कहीं अधिक ऊंचा होगा।

'ऐप से हटा लें फंसाने वाली ट्रकि, वरना...', बैंकों की चालाकी पर आरबीआई का डंडा! दी जुलाई तक की मोहलत

अब बैंक आपको अपनी फंसाने वाली ट्रिक्स से बेवकूफ नहीं बना पाएंगे। RBI ने बैंकिंग ऐप्स से डार्क पैटर्न्स (Dark Patterns) को जड़ से खत्म करने का अल्टीमेटम दे दिया है। अक्सर बैंक अपने मोबाइल ऐप्स और वेबसाइट्स पर ऐसे डिजाइन का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ग्राहक अनजाने में ऐसी सेवाओं के लिए 'हां' कर देते हैं जिनकी उन्हें जरूरत नहीं होती। इसे तकनीकी भाषा में 'डार्क पैटर्न' कहते हैं। RBI ने अब इसे ग्राहकों के साथ धोखा माना है। आइये जानते हैं कि RBI के इस आदेश का आप पर और आपकी जेब पर क्या असर होगा:

क्या होते हैं ये फंसाने वाले डार्क पैटर्न्स?

बैंक ऐप्स में अक्सर ट्रांजैक्शन के अंत में बिना बताए कोई फीस जोड़ दी जाती है या ऐसे बटन दिखाए जाते हैं, जिनसे लगे कि ऑफर बस अभी खत्म होने वाला है। बैंक अक्सर किसी सर्विस को फ्री बताकर शुरू करते हैं और फिर उसे कैंसिल करने का ऑप्शन इतना जटिल बना देना कि ग्राहक हार मान जाए। अगर आप कोई इंश्योरेंस नहीं लेते, तो बैंक ऐसे मैसेज दिखाते हैं जिससे आपको लगे कि आप बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं।

आरबीआई के सख्त निर्देश: अब क्या बदलेगा?

आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को जुलाई 2026 तक का समय दिया है ताकि वे अपने इंटरफेस को सुधार सकें।

नो हिडन चार्ज: किसी भी सेवा के लिए ग्राहक की स्पष्ट सहमति अनिवार्य होगी। कोई भी चार्ज डिफॉल्ट रूप से सिलेक्टेड नहीं रहेगा।

आसान निकास: अगर किसी सर्विस को शुरू करना एक क्लिक का काम है, तो उसे बंद करना भी उतना ही आसान होना चाहिए।

पारदर्शी भाषा: घुमावदार भाषा के बजाय सीधे और सरल शब्दों का इस्तेमाल करना होगा ताकि ग्राहक समझ सके कि वह किस पर क्लिक कर रहा है।

जुलाई 2026 की डेडलाइन

RBI ने बैंकों को अपनी डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स और ऐप्स को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए जुलाई 2026 तक की मोहलत दी है। इसके बाद अगर किसी ऐप में डार्क पैटर्न पाया गया, तो बैंकों पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

ग्राहक के लिए क्या है फायदा?

अब आपके खाते से बिना आपकी मर्जी के कोई हिडन चार्ज नहीं कटेगा। बैंक ऐप चलाना ज्यादा सुरक्षित और आसान होगा और मिससेल यानी गलत तरीके से सर्विस बेचने की घटनाओं में भारी कमी आएगी।

फिर बढ़ने लगी चांदी की चमक, 2 .60 लाख के पार हुई कीमत, सोने में भी आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी में 6000 हजार रुपये से ज्यादा की तेजी है। सोने में भी तेजी देखी जा रही है। हालांकि ये चांदी जितनी नहीं है। हालांकि कल सोने और चांदी में गिरावट देखी गई थी। सबसे पहले जानते हैं कि आपके देश में सोने और चांदी का क्या भाव चल रहा है?

सुबह 10 बजे के आसपास सोने में 631 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी है। इस समय 10 ग्राम सोने की कीमत 1,60,600 रुपये चल रही है। सोने ने अब तक 1,60,332 रुपये प्रति 10 ग्राम का लो रिकॉर्ड और 1,61,072 रुपये प्रति 10 ग्राम का हाई रिकॉर्ड बनाया है।

सुबह 10 बजे के आसपास 1 किलो चांदी का दाम 2,66,801 रुपये चल रहा है। इसमें 6057 रुपये प्रति किलो की तेजी देखी गई है। चांदी ने अब तक 2,64,300 रुपये प्रति किलो का लो रिकॉर्ड और 2,67,990 रुपये प्रति किलो का हाई रिकॉर्ड बनाया है।

पटना में 10 ग्राम सोने की कीमत सबसे कम है। यहां 10 ग्राम सोना 1,60,700 रुपये चल रहा है। वहीं चंडीगढ़ में सोना सबसे सस्ता मिल रहा है। यहां 10 ग्राम सोने का दाम 1,60,860 रुपये चल रहा है। अगर चांदी की बात करें तो पटना में चांदी की कीमत सबसे कम है। यहां चांदी का दाम 2,67,920 रुपये चल रहा है। भोपाल और इंदौर में चांदी का दाम सबसे ज्यादा है। यहां 1 किलो चांदी की कीमत 2,68,650 रुपये चल रही है।

ट्रंप ने दिए ईरान से बातचीत के संकेत, भड़का ईरान, लारिजानी बोले- नहीं करेंगे कोई समझौता

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारिजानी ने अमेरिका के साथ बातचीत की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लारिजानी ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ कोई वार्ता नहीं करेगा।

लारिजानी की यह प्रतिक्रिया उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया था कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका से दोबारा बातचीत शुरू करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने इन खबरों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी अटकलों का कोई आधार नहीं है।

ट्रंप पर लगाए क्या आरोप?

अपने बयान में लारिजानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप ने झूठी उम्मीदों के जरिए क्षेत्र को अराजकता में धकेल दिया है और अब अमेरिकी सैनिकों के संभावित मौतों को लेकर चिंतित हैं।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव

पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद अमेरिका और इस्राइल ने रविवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर भीषण बमबारी की। तेहरान समेत कई शहरों में धमाकों से इमारतों की खिड़कियां हिल गईं और आसमान में धुएं के गुबार छा गए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, हमलों की शुरुआत से अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं।

ट्रंप का सख्त संदेश, लेकिन बातचीत के लिए भी तैयार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि संघर्ष खत्म होने से पहले और जानें जा सकती हैं। हालांकि, ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ईरान के नए नेतृत्व से बातचीत के लिए तैयार हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा वे बात करना चाहते हैं और मैंने सहमति दे दी है।

ईरान का दावा- कुवैत में मार गिराया अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-15

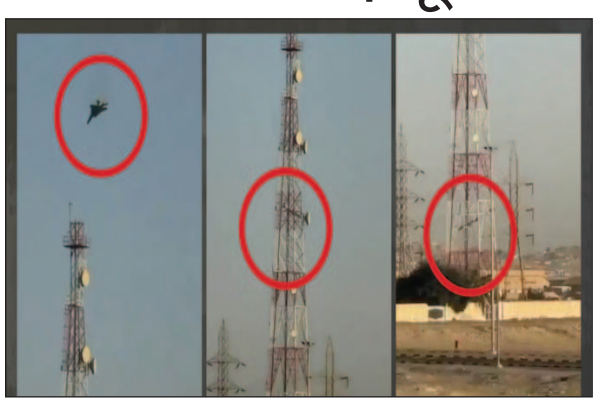

दुबई, एजेंसी। ईरान पर किए गए हमले के बाद से पूरा क्षेत्र युद्ध की आग में जल रहा है। ईरान ने इस हमले के बाद इस्राइल, इराक, यूएई समेत कई देशों में मिसाइलें दागी। वहीं इस्राइल और अमेरिकी की ओर से ईरान में अब भी बमबारी जारी है। जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई शीर्ष लीडर की मौत हो चुकी है।

कुवैत में क्रैश हुआ अमेरिका का F-15 फाइटर जेट

इस बीच ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि कुवैत में अमेरिकी सेना का एक F-15 लड़ाकू विमान क्रैश हो गया है। इस विमान के क्रैश होने का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें विमान में आसमान में ही आग लगते हुई देखी जा सकती है। F-15 फाइटर जेट दुनिया के सबसे घातक और आधुनिक लड़ाकू विमानों में एक माना जाता है। हालांकि विमान में आग लगते ही पायलट पैरासूट लेकर कूद गया जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि, अभी तक इस खबर की किसी ने पुष्टि नहीं की है। अमेरिका और कुवैत की सेना की ओर भी कोई बयान नहीं आया है।

इस्राइल -ईरान तनाव के बीच दुर्घटना

यह हादसा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान आया है, जिसमें अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए। ईरानी अधिकारियों ने इसे प्रतिशोध के रूप में संतुलित कार्रवाई बताया है और चेतावनी दी है कि आगे और वृद्धि की संभावना बनी हुई है।

पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर वीजा सेवाएं स्थगित, हिंसक प्रदर्शन के चलते सुरक्षा अलर्ट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बीच अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि लाहौर और कराची में जारी प्रदर्शन और हिंसा, साथ ही इस्लामाबाद और पेशावर में अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिकी कर्मचारियों को सीमित गतिविधि और घर पर रहने का निर्देश दिया गया है।

सुरक्षा चेतावनी में अमेरिकी नागरिकों को स्थानीय समाचार पर नजर रखने, भीड़ से दूर रहने, अपने आसपास सतर्क रहने और अपने STEP रजिस्ट्रेशन को अपडेट रखने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी दूतावास ने बताया कि कराची और लाहौर के वाणिज्य दूतावास, तथा इस्लामाबाद अमेरिकी दूतावास में 2 मार्च के सभी वीजा अपॉइंटमेंट और अमेरिकी नागरिक सेवाएं रद्द कर दी गई हैं।

'रद्द कर देने चाहिए पाकिस्तानियों के सभी वीजा'

गौरतलब है कि कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुए। इसके बाद एक अमेरिकी रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) कार्यकर्ता ने अमेरिका के विदेश विभाग से मांग की है कि पाकिस्तानियों के सभी वीजा, यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी रद्द कर दिए जाएं। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को टैग करते हुए लिखा 'अमेरिकी विदेश विभाग को पाकिस्तानियों के सभी वीजा और ग्रीन कार्ड भी जब तक संभव हो, निलंबित कर देने चाहिए।' उनकी यह मांग कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बाद आई है। लूमर ने दावा किया कि पाकिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से नाराज छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, ये लोग अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कड़ी सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज दोपहर दोबारा घुसने की कोशिश करने के दौरान कई अन्य लोगों को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

'हिजबुल्ला के इस्राइल पर हमले गैर-जिम्मेदाराना', लेबनान के पीएम ने क्यों कही ये बात?

तेहरान, एजेंसी। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम देश की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और इस्राइल को हमले जारी रखने का बहाना देते हैं। उन्होंने बिना किसी संगठन का नाम लिए कहा कि दक्षिणी लेबनान से रॉकेट लॉन्च करना गैर-जिम्मेदाराना और संदिग्ध कार्रवाई है, जो नागरिकों की सुरक्षा को जोखिम में डालती है और देश को नए संघर्ष की ओर धकेल सकती है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब उग्रवादी संगठन हिजबुल्ला ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के जवाब में लेबनान से इस्राइल की ओर कई रॉकेट दागे। नवंबर 2024 में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद यह पहली बार है जब हिजबुल्ला ने इस्राइल पर इस तरह का हमला किया है।

रॉकेट हमलों के बाद इस्राइल ने लेबनान के हिजबुल्ला नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। इस्राइली डिफेंस फोर्स (IDF) ने कहा कि उसने लेबनान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और हमलों के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, एक रॉकेट को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया, जबकि बाकी खुले इलाकों में गिरे। उत्तरी इस्राइल में हमलों के दौरान एयर रेड सायरन बजाए गए।

इस्राइल की आपातकालीन सेवा मागेन डेविड अदोम ने बताया कि हमलों में तत्काल किसी की मौत की सूचना नहीं है, हालांकि शेल्टर की ओर भागते समय कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं।

लेबनान और इस्राइल के बीच तनाव

नवंबर 2024 के युद्धविराम के बाद से लेबनान की ओर से रॉकेट हमले बहुत कम हुए थे, लेकिन इस्राइल ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में खतरों को रोकने के नाम पर समय-समय पर हवाई हमले जारी रखे हैं। इससे एक दिन पहले हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम ने औपचारिक श्रद्धांजलि भाषण में अयातुल्ला खामेनेई की हत्या को अपराध की पराकाष्ठा बताया था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

एंटी-नक्सल ऑपरेशन में बड़ी कामयाबी, बोलनगीर और बरगढ़ जिले माओवादियों से मुक्त, कई ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा पुलिस ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। राज्य सरकार ने अब बोलनगीर और बरगढ़ जिलों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित कर दिया है। इन दोनों जिलों में सक्रिय 15 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन माओवादियों ने पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने हथियार डाले। इस खास मौके पर ओडिशा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी वहां मौजूद थे।

ओडिशा के डीजीपी वाई बी खुरानिया ने रविवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने राज्य भर में लगातार अभियान चलाए हैं। इसी मेहनत का नतीजा है कि आज यह अहम मुकाम हासिल हुआ है। अब ओडिशा में नक्सल मुक्त जिलों की कुल संख्या बढ़कर सात हो गई है। इन सुरक्षित जिलों की सूची में नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी, बौध, बोलनगीर और बरगढ़ के नाम शामिल हैं।

हालांकि, राज्य के तीन जिलों में अब भी माओवादियों की मौजूदगी बनी हुई है। ये जिले कंधमाल, रायगढ़ा और कालाहांडी हैं। डीजीपी ने बताया कि सरेंडर करने वाले कैडर बरगढ़, बोलांगीर और महासमुंद के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे। इस बदलाव के बाद अब प्रसिद्ध गंधमर्दन पहाड़ियों वाले इलाके में भी शांति बहाल हो गई है।

पुलिस बल की जमकर तारीफ की

डीजीपी खुरानिया ने इस सफलता का श्रेय कई महत्वपूर्ण कड़ियों को दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के साझा ऑपरेशन, सटीक खुफिया जानकारी और स्थानीय लोगों के सहयोग से यह मुमकिन हुआ है। उन्होंने पुलिस बल की हिम्मत और पक्के इरादे की जमकर तारीफ की। डीजीपी ने ऑपरेशन में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने पुलिस पर भरोसा जताने के लिए जनता का शुक्रिया अदा किया।

जारी रहेगा अभियान

राज्य में नक्सल समस्या को पूरी तरह खत्म करने के लिए अभियान जारी रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, अब राज्य में केवल 25 के करीब माओवादी ही बचे हैं। इनमें से ज्यादातर कंधमाल जिले में सक्रिय हैं। एडीजी संजीव पांडा ने बताया कि कंधमाल के जंगलों में एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस को वहां मोस्ट वांटेड माओवादी नेता सुकरू के छिपे होने की खबर मिली है। यह तलाशी अभियान दारिंगबाड़ी और रायकिया पुलिस स्टेशन के इलाकों में चल रहा है।

टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर को बदलना पड़ा पार्टी का नाम

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले की अल्पसंख्यक बहुल भरतपुर विधानसभा सीट से विधायक हुमायूं कबीर ने अपनी नई पार्टी का नाम बदल दिया है। चुनाव आयोग ने उनके प्रस्तावित दल के नाम को खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्हें यह फैसला लेना पड़ा। कबीर ने शुरुआत में अपनी पार्टी का नाम जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) रखा था। निर्वाचन आयोग ने इस नाम को स्वीकार नहीं किया। आयोग का कहना था कि इस नाम से पहले ही एक राजनीतिक दल पंजीकृत है। इसके बाद कबीर ने अपनी पार्टी का नया नाम 'आम जनता उन्नयन पार्टी' (एजेयूपी) घोषित किया है।

हुमायूं कबीर ने सोमवार को इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने पिछले हफ्ते उनके पुराने नाम (जेयूपी) की सिफारिश दिल्ली भेजी थी। लेकिन दिल्ली स्थित चुनाव आयोग मुख्यालय ने सूचित किया कि यह नाम पहले से किसी और के पास है। इसके बाद कबीर खुद अपने प्रतिनिधियों के साथ दिल्ली गए और नया और नए नाम एजेयूपी का प्रस्ताव दिया।

क्यों हुआ था टीएमसी से निलंबन?

इस सबसे पहले, हुमायूं कबीर के निलंबन की कहानी भी काफी चर्चा में रही थी। तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें बेलडांगा में एक मस्जिद के शिलान्यास की घोषणा के बाद बाहर का रास्ता दिखाया था। कबीर ने कहा था कि वह इस मस्जिद को अयोध्या में 6 दिसंबर 1992 को ढहाई गई बाबरी मस्जिद के डिजाइन जैसा बनाएंगे। इस बयान के बाद विवाद बढ़ा और पार्टी ने उन पर कार्रवाई की। निलंबन के बाद 22 दिसंबर 2025 को कबीर ने अपनी नई पार्टी बनाने का एलान किया था। उन्होंने पार्टी के मुख्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा भी कर दी। कबीर इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ लड़ने के लिए दूसरे दलों से गठबंधन करने की अपील भी की है।

कई सुपरहिट फिल्में ठुकरा चुके हैं शाहिद कपूर, लिस्ट देख उड़ जाएंगे होश, 'रांझणा' और 'रॉकस्टार' भी शामिल

एक्टर शाहिद कपूर ने इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में दी हैं, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के ऑफर भी ठुकराए, जो बाद में सुपरहिट साबित हुईं।

शाहिद कपूर न केवल अपनी दमदार एक्टिंग, बल्कि शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। ये खूबियां उनकी हर फिल्म में दिखती हैं। पंकज कपूर के बेटे ने शाहिद कपूर की ठुकराई फिल्मों की लिस्ट में कई सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। शाहिद ने व्यस्त होने के चलते, स्क्रिप्ट या किसी और वजह से ये प्रोजेक्ट्स छोड़े। आज शाहिद अपना जन्मदिन मना रहे हैं। आइए एक नजर डालते हैं फिल्मों की लिस्ट पर, जो उन्होंने छोड़ दी और बाद में जाकर वे फिल्में सुपरहिट साबित हुईं।

'रंग दे बसंती'

'रंग दे बसंती' साल 2006 में आई थी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा की यह फिल्म पहले शाहिद कपूर को ऑफर हुई थी, लेकिन शूटिंग की व्यस्तता के कारण उन्होंने मना कर दिया। बाद में आमिर खान ने लीड रोल लिया। फिल्म में आमिर खान, आर. माधवन, सोहा अली खान और सिद्धार्थ के साथ कुणाल कपूर और शरमन जोशी जैसे सितारे शामिल हैं। यह बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक और सुपरहिट फिल्मों में से एक बनी।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा'

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', साल 2011 में रिलीज हुई, जिसका निर्देशन जोया अख्तर ने किया है। दोस्ती और जीवन की खूबसूरती को पर्दे पर उतारती फिल्म शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन दूसरे प्रोजेक्ट्स के चलते उन्होंने इसे ठुकरा दिया। फिल्म में ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल लीड में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई और आज भी दर्शकों की फेवरेट है।

'रॉकस्टार'

इम्तियाज अली की म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा 'रॉकस्टार' भी साल 2011 में आई थी। यह फिल्म पहले शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने 'जब वी मेट' चुन लिया था। बाद में रणबीर कपूर ने इसमें लीड रोल निभाया। फिल्म ने रणबीर को स्टार बना दिया और आज भी क्लासिक मानी जाती है।

'शुद्ध देसी रोमांस'

सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा की 'शुद्ध देसी रोमांस' फिल्म साल 2013 में आई थी। यह रोमांटिक ड्रामा पहले शाहिद को ऑफर हुई, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद इसमें सुशांत सिंह राजपूत ने लीड रोल निभाया था।

'रांझणा'

आनंद एल. राय की इंटेंस लव स्टोरी 'रांझणा' साल 2013 में सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म के साथ धनुष ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। लेकिन पहले ये फिल्म शाहिद को ऑफर हुई, मगर व्यस्त होने की वजह से उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। यह फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी और बॉक्स-ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

इसके अलावा, सिद्धार्थ आनंद की एक्शन रोमांस फिल्म 'बैंग बैंग', पुनीत मल्होत्रा की रोमांटिक कॉमेडी 'गोरी तेरे प्यार में', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा', 'बेशर्म' जैसी फिल्में भी पहले शाहिद को ऑफर हुई थीं। लेकिन शाहिद ने उन्हें मना कर दिया।

'ओ रोमियो' में गैगस्टर लुक में नजर आए शाहिद

शाहिद कपूर की फिल्म 'ओ रोमियो' फिलहाल सिनेमाघरों में लगी हुई है। ये फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को लोगों से खासा प्यार मिल रहा है। इसमें शाहिद कपूर का किरदार मुंबई के गैगस्टर हुसैन उस्तरा से प्रेरित बताया जा रहा है। उनके साथ तृप्ति डिमरी फिल्म में हैं, जो रानी के रोल में हैं। इनके अलावा फिल्म में नाना पाटेकर, दिशा पटानी, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com